RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | गुरुवार , 21 मई 2026 | वर्ष: 04, अंक: 63 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रु. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत-इटली संबंधों को नई गति, नई दिशा और नया आत्मविश्वास मिला

प्रधानमंत्री मोदी की इटली यात्रा, रोम से साझा किए फोटो, 'भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा' रहेगा चर्चा के केंद्र में

रोम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को भारत और इटली के संबंधों को 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' के स्तर तक उन्नत करने की घोषणा की। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ संयुक्त प्रेस वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले लगभग साढ़े तीन वर्षों में उन्हें प्रधानमंत्री मेलोनी से कई बार मिलने का अवसर मिला है, जो दोनों देशों के बीच बढ़ते करीबी सहयोग और बेहतर सामंजस्य को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मेलोनी के नेतृत्व में भारत-इटली संबंधों को नई गति, नई दिशा और नया आत्मविश्वास मिला है। उन्होंने कहा कि भारत-इटली संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना 2025-2029 दोनों देशों की साझेदारी को व्यावहारिक और भविष्य उन्मुख ढांचा प्रदान करती है तथा इस पर समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इटली विश्वभर में डिजाइन और प्रिसीजन के लिए प्रसिद्ध है, जबकि भारत बड़े पैमाने, प्रतिभा और किफायती नवाचार की ताकत के रूप में पहचाना जाता है। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब यूरो तक पहुंचाने की दिशा में तेजी से प्रगति हो रही है। भारत में कार्यरत 800 से अधिक इतालवी कंपनियां भारत की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि आज आयोजित बिजनेस फोरम से यह स्पष्ट हुआ है कि दोनों देशों के उद्योग जगत में नया उत्साह, नया विश्वास और नई महत्वाकांक्षा दिखाई दे रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्रों में करीबी सहयोग दोनों देशों के गहरे आपसी विश्वास का प्रतीक है। यह सहयोग केवल सेनाओं तक सीमित नहीं है बल्कि दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच भी तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रक्षा औद्योगिक रोडमैप ने सह-विकास और सह-उत्पादन की दिशा में नया मार्ग प्रशस्त किया है।

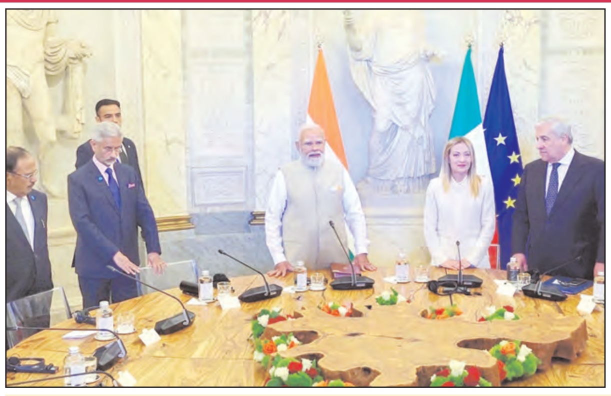

समुद्री शक्तियों के रूप में भारत-इटली के बीच कनेक्टिविटी के क्षेत्र में सहयोग स्वाभाविक

समुद्री शक्तियों के रूप में भारत और इटली के बीच कनेक्टिविटी के क्षेत्र में सहयोग स्वाभाविक है। दोनों देश मिलकर शिपिंग, बंदरगाह आधुनिकीकरण, लॉजिस्टिक्स और ब्लू इकॉनमी के क्षेत्रों में काम करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और इटली इस बात पर एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए गंभीर खतरा है। आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ दोनों देशों की साझा पहल ने दुनिया के सामने एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उन्होंने कहा कि जिम्मेदार लोकतंत्र केवल आतंकवाद की निंदा ही नहीं करते बल्कि उसके आर्थिक नेटवर्क को तोड़ने के लिए ठोस कदम भी उठाते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यूक्रेन, पश्चिम एशिया और अन्य वैश्विक तनावों को लेकर भारत और इटली लगातार संपर्क में रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि भारत का स्पष्ट मत है कि सभी विवादों और संघर्षों का समाधान संवाद और कूटनीति के माध्यम से ही होना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने इटली के राष्ट्रपति मैटरेला से मुलाकात की

रोम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मैटरेला से मुलाकात की और भारत-इटली संबंधों को मजबूत बनाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किए गए पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और इटली के राष्ट्रपति सर्जियो मैटरेला ने मुलाकात के दौरान भारत-इटली की मजबूत और स्थायी साझेदारी की पुष्टि की और व्यापार, प्रौद्योगिकी, नवाचार, स्वच्छ ऊर्जा, एआई और संस्कृति सहित विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा की। उन्होंने आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

पीएम मोदी ने आइसलैंड की पीएम से की मुलाकात

रोम। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को पांच देशों की यात्रा के अंतिम पड़ाव पर इटली की राजधानी रोम पहुंचे। आज स्वदेश रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी इतालवी राष्ट्रपति सर्जियो मैटारेला से शिष्टाचार भेंट करेंगे और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके अलावा अन्य उच्चस्तरीय राजनयिक कार्यक्रमों में भी उनकी भागीदारी रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, इटली यात्रा का अहम मकसद 'भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा' पर चर्चा करना भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने करीब सात घंटे पहले अपने एक्स हैंडल पर रोम पहुंचने की जानकारी और चार यादगार फोटो साझा किए हैं। उन्होंने लिखा है, " मैं इटली के रोम शहर में पहुंच गया हूं। मैं राष्ट्रपति सर्जियो मैटरेला और प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी से मिलूंगा और उनके साथ चर्चा करूंगा। इस दौरे का मुख्य जोर भारत और इटली के बीच सहयोग को मजबूत करने पर होगा, जिसमें 'भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा' (आईएमईसी) पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

वैश्विक खाद्य सुरक्षा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और मजबूत होगी: मोदी

संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-2029 की भी समीक्षा की जाएगी। मैं संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के मुख्यालय का भी दौरा करूंगा। इससे बहुपक्षवाद और वैश्विक खाद्य सुरक्षा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और मजबूत होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इटली की राजधानी पहुंचने पर प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने एक्स पर लिखा, "रोम में आपका स्वागत है, मेरे दोस्त!" उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा दोनों देशों के बीच तेजी से मजबूत हो रहे रणनीतिक साझेदारी के बीच हो रहा है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी जून 2024 में जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने इटली गए थे।

अब यूएवी से दागी जा सकेगी निर्देशित मिसाइल, डीआरडीओ ने पूरे किये परीक्षण

नई दिल्ली

भारत अब मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) से सटीक निर्देशित मिसाइल (यूएलपीजीएम)-वी3 प्रक्षेपित करके दुश्मन के ड्रोन, हेलीकॉप्टर और अन्य हवाई लक्ष्यों को निशाना बना सकता है। आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पास स्थित डीआरडीओ परीक्षण रेंज में हुए अंतिम विकास परीक्षण में यह उपलब्धि हासिल हुई है। डीआरडीओ ने हवा-से-सतह और हवा-से-हवा में मार करने की क्षमता वाले यूएवी से यह परीक्षण किये हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पास स्थित डीआरडीओ परीक्षण रेंज में हवा-से-सतह और हवा-से-हवा में मार करने की क्षमता वाले मानव रहित हवाई वाहन से प्रक्षेपित सटीक निर्देशित मिसाइल (यूएलपीजीएम)-वी3 के अंतिम परिशोधित विन्यास के विकास परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। ये परीक्षण एकीकृत ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम (जीसीएस) के माध्यम से संचालित किए गए, जिसका उद्देश्य यूएलपीजीएम हथियार प्रणाली का प्रभावी कमांड एवं नियंत्रण सुनिश्चित करना था।

दवा विक्रेताओं के देशव्यापी बंद के आह्वान का जिले में दिखा व्यापक असर, डीएम को सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। ऑनलाइन ई-फार्मेसियों के कथित अवैध संचालन और बड़े कॉरपोरेट घरानों द्वारा अपनाई जा रही प्रिडेटरी प्राइसिंग के विरोध में बुधवार को जिले भर की दवा दुकानें पूरी तरह बंद रहीं। दवा विक्रेताओं के इस देशव्यापी बंद के आह्वान का जिले में व्यापक असर देखने को मिला जिससे सुबह से ही दवा बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। केमिस्ट एसोसिएशन ऑफ कौशाम्बी के नेतृत्व में आयोजित इस बंद के कारण रोजमर्रा की दवाएं खरीदने निकले आम मरीजों और उनके तीमारदारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। हालांकि आपातकालीन स्थिति को देखते हुए अस्पताल परिसरों के अंदर स्थित कुछ चुनिंदा मेडिकल स्टोर्स को इस बंद से मुक्त रखा गया था।एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष बालाजी केशरवानी व महामंत्री अचिन केशरवानी की अगुवाई में पदाधिकारियों ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री व राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। एसोसिएशन के अध्यक्ष बालाजी केशरवानी ने कहा कि ऑनलाइन दवा कंपनियां बिना किसी कड़े नियमन के धड़ल्ले से दवाएं बेच रही हैं। बड़े कॉरपोरेट घराने भारी

डिस्काउंट देकर पारंपरिक दवा व्यवसाय को खत्म करना चाहते हैं। इससे न केवल लाखों खुदरा व्यापारियों का रोजगार खतरे में है बल्कि बिना डॉक्टर के पर्चे के ऑनलाइन बिकने वाली दवाओं से आम जनता के स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ हो रहा है।दवा विक्रेताओं ने सरकार के सामने अपनी चिंताओं को रखते हुए मांग किया कि बिना उचित सत्यापन के ऑनलाइन दवाओं की बिक्री पर तुरंत रोक लगाई जाए ,कॉरपोरेट और रिटेल और काउंटरों के लिए दवाओं के दाम तय करने के नियम समान किये जाए, ऑनलाइन माध्यमों से बिना सख्त निगरानी के बिकने वाली डिप्रेशन और नशीली दवाओं के अवैध व्यापार पर अंकुश लगाया जाए।बुधवार सुबह जो मरीज या उनके परिजन नियमित दवाइयां खरीदने बाजार पहुंचे उन्हें दुकानें बंद मिलने से मायूसी हाथ लगी। खासकर ग्रामीण इलाकों से आए लोगों को शहर के मुख्य दवा बाजारों में भटकते हुए देखा गया। हालांकि एसोसिएशन का दावा है कि गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए जीवन रक्षक दवाओं की आपातकालीन आपूर्ति को पूरी तरह बाधित नहीं होने दिया गया।दवा व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने ई-फार्मेसी की मनमानी और कॉरपोरेट के एकाधिकार को रोकने के लिए जल्द ही कोई ठोस नीति नहीं बनाई तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और उग्र किया जाएगा।इस अवसर पर मोमिन अंसारी, मानिक यादव, राजेन्द्र जायसवाल, नीलकंठ अग्रहरि, पुष्पेंद्र पाल, सुरेश अग्रहरि, सत्यम त्रिपाठी, गौरव श्रीवास्तव, प्रदीप, रमेश, गिरीश, मनीष, अरविंद , लालसिंह, मुकेश, शिवम, संजय सहित जनपद के सैकड़ों दवा व्यापारी उपस्थित रहे।

लोक अधिकार परिषद अध्यक्ष मोहम्मद मुकीम शेख ने मुंबई महापौर से की मुलाकात

सबसे तेज प्रयागराज
मुंबई : लोक अधिकार परिषद के अध्यक्ष एवं पत्रकार मोहम्मद मुकीम शेख ने मुंबई की महापौर रितु राजेश से महापौर कार्यालय में शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान मुंबई शहर से जुड़ी विभिन्न जनसमस्याओं एवं नागरिक सुविधाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में शहर के नागरिकों को होने वाली समस्याओं, मूलभूत सुविधाओं, स्वच्छता, सड़क, पानी तथा अन्य सार्वजनिक मुद्दों पर विशेष रूप से बातचीत हुई। महापौर रितु राजेश तावड़े ने जनहित से जुड़े विषयों को गंभीरता से सुनते हुए सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया।

उक्त अवसर पर मुंबई की महापौर रितु राजेश तावड़े ने ह्लड्ढ्र ङ्क्ष८ 2026ह्व भेंट स्वरूप प्रदान की। इस मुलाकात के दौरान मोहम्मद कैफ शेख भी उपस्थित रहे।
लोक अधिकार परिषद द्वारा बताया गया कि संगठन भविष्य में भी आम जनता की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए लगातार कार्य करता रहेगा।

एसएसपी द्वारा सभी कोर्ट मोहर्रिर के साथ की गई गोष्ठी

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर दिनेश कुमार सिंह द्वारा पुलिस लाइन स्थित सम्मेलन कक्ष में "ऑपरेशन कन्विक्शन" अभियान के अन्तर्गत न्यायिक कार्यवाहियों को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से सभी कोर्ट मोहर्रिर के साथ गोष्ठी आयोजित की गयी। गोष्ठी के दौरान एसएसपी द्वारा विचाराधीन अभियोगों में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने, समय से साक्ष्य व गवाहों की न्यायालय में उपस्थिति, अभियोगों से संबंधित अभिलेखों का अद्यतन रख-रखाव तथा अभियोजन पक्ष से समन्वय स्थापित कर प्रभावी ढंग से अभियोगों में पैरवी सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। गोष्ठी में अपर पुलिस अधीक्षक नगर अभिषेक प्रताप अजेय, अपर पुलिस अधीक्षक अपराध नरेश कुमार एवं प्रभारी मॉनिटरिंग सेल निरीक्षक महेन्द्र कुमार त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

धार्मिक भावनाएं आहत करने के मामले में 2 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । बुधवार को थाना ललौली पर वादी द्वारा दी गई तहरीर बाबत सोमवार को मोबाइल फोन चलाने के दौरान वादी ने देखा कि जैनुल आबदीन पुत्र स्व० लियाकत हुसैन निवासी रहमत बाबा, कस्बा/थाना ललौली जनपद फतेहपुर द्वारा अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर बकरीद की कुबार्नी से संबंधित एक विवादित चित्र/पोस्ट साझा की गई थी। वादी द्वारा उक्त पोस्ट को धार्मिक भावनाएं

आहत करने वाला बताया गया।
पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना ललौली पुलिस द्वारा दिनांक 19.05.2026 को धार्मिक भावनाएं आहत करने के मामले में 2 अभियुक्तगण मो० गुफरान खान पुत्र बदरुद्दीन, उम्र करीब 33 वर्ष. जैनुल आबदीन पुत्र स्व० लियाकत हुसैन, उम्र करीब 35 वर्ष
जनपद पुलिस आमजनमानस से अपील करती है कि सोशल मीडिया पर किसी भी धर्म, समुदाय अथवा धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली आपत्तिजनक एवं भड़काऊ पोस्ट, फोटो, वीडियो या टिप्पणी साझा न करें। ऐसी गतिविधियां कानूनन अपराध हैं तथा सामाजिक सौहार्द एवं शांति व्यवस्था को प्रभावित करती हैं। कृपया जिम्मेदारीपूर्वक सोशल मीडिया का उपयोग करें, अन्यथा विधिक कार्यवाही की जाएगी।

कप्तान ने जाफरगंज थाने का किया निरीक्षण, मचा हड़कंप

सबसे पहले तो
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा थाना जाफरगंज का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव, बैरक, पुलिस आवास, विवेचना कक्ष, सीसीटीएनएस कार्यालय, शस्त्रागार, भोजनालय, मिशन शक्ति केंद्र, मालखाना, हवालात एवं अन्य व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण कर, रिक्रूट आरक्षियों को ड्यूटी से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

निरीक्षण उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना प्रभारी, समस्त उप निरीक्षकों तथा कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारियों के साथ बैठक आयोजित कर कानून-व्यवस्था, लंबित प्रकरणों के निस्तारण, विवेचनाओं की गुणवत्ता एवं सीसीटीएनएस प्रणाली की समीक्षा की गई। एसपी द्वारा निर्देशित किया गया कि सीसीटीएनएस प्रणाली को नियमित रूप से अद्यतन रखा जाए तथा लंबित विवेचनाओं का शीघ्र, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही विवेचनाओं में समयबद्ध कार्यवाही, अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव एवं थाना परिसर में अनुशासन और स्वच्छता बनाए रखने हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

गाजीपुर पुलिस द्वारा 3 वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में को थाना गाजीपुर पुलिस द्वारा अभियुक्त सुमेर निषाद पुत्र स्व0 चंदा उम्र करीब 26 वर्ष निवासी लोहारन गढ़वा, वारंटी अभियुक्त मिलन उर्फ राममिलन पुत्र रामलाल उम्र करीब 30 वर्ष निवासी ग्राम सांखा ,अभियुक्त रामबरन सिंह पुत्र बेनी माधव निवासी जिवकरा थाना गाजीपुर जनपद फतेहपुर उम्र करीब 60 वर्ष को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

व्यापारी वर्ग नगर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है - चेयरमैन

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। नगर पंचायत दारानगर कड़ाधाम कार्यालय सभागार में बुधवार को नगर क्षेत्र के व्यापारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष रागिनी देवी ने की जिसमें स्थानीय व्यापारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।बैठक के दौरान व्यापारियों ने बाजार क्षेत्र में साफ-सफाई, नाली, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौंचालय, दारानगर में सीसीटीवी कैमरा लगाए जाने, चिन्हित स्थानों पर सांकेतिक बोर्ड लगाए जाने, दारानगर - फरीदागंज मार्ग पर सिंचाई हेतु रोड कटिंग समस्या और सुरक्षा से जुड़ी अन्य समस्याओं से नगर अध्यक्ष को अवगत कराया।व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए नगर अध्यक्ष रागिनी देवी ने कहा कि व्यापारी वर्ग नगर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उनकी हर जायज समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश भी दिए।बैठक में मौजूद नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार सिंह ने व्यापारियों से नगर क्षेत्र के सुनियोजित विकास और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए तमाम रचनात्मक सुझाव मांगे। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के सहयोग से ही नगर पंचायत क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर और व्यापार अनुकूल बनाया जा सकता है।इस मौके पर जयमणि तिवारी, शिवशंकर केशरवानी, अरविंदमणि तिवारी, मोनू मोदनवाल, श्यामू अग्रहरि, दिरगज मौर्या सहित नगर पंचायत के अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय व्यापारी मौजूद रहे।

जनपद पुलिस द्वारा चौपाल लगाकर महिला सुरक्षा,सड़क सुरक्षा एवं साइबर अपराध के बारे में किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । एसपी सत्यनारायण के निर्देशन में बुधवार को जनपद के समस्त थानों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में चौपाल लगाकर आमजनमानस को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। आयोजित की गयी चौपालों में क्षेत्र के सम्भ्रांत नागरिकों युवाओं, व्यापारियों,महिलाओं एवं छात्र-छात्राओं द्वारा सहभागिता की गयी ।
चौपाल में पुलिस अधिकारियों द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा हेतु संचालित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस सहायता लेने हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान *महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, साइबर हेल्पलाइन 1930 एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।

इस दौरान साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों को देखते हुए लोगों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा न करने, सोशल मीडिया फ्रॉड एवं बैंकिंग धोखाधड़ी से सावधान रहने की सलाह दी गई।
साथ ही किसी भी साइबर अपराध की सूचना तत्काल साइबर हेल्पलाइन अथवा नजदीकी थाने में देने के लिए प्रेरित किया गया।
सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य प्रयोग, यातायात नियमों का पालन करने तथा नशे की अवस्था में वाहन न चलाने के संबंध में लोगों को जागरूक किया गया।
इस प्रकार के कार्यक्रम जनता और पुलिस के बीच बेहतर संवाद एवं समन्वय स्थापित करने में सहायक हैं । आमजनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से ऐसे कार्यक्रम आगे भी निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

एसपी ने थाने में की जनसुनवाई, पीड़ितों की सुनी फरियाद

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा थाना जाफरगंज में जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान आमजन की विभिन्न समस्याओं/शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही सभी को निर्देशित किया गया कि जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता बनाए रखें।

पुलिस ने दो वारंटी को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना हुसैनगंज पुलिस द्वारा आर्म्स एक्ट से संबंधित वारंटी अभियुक्त रामबरन पुत्र ननका निवासी बारहमील थाना हुसैनगंज जनपद फतेहपुर उम्र करीब 36 वर्ष को गिरफ्तार किया।
इसी प्रकार थाना बकेवर पुलिस द्वारा आबकारी अधिनियम से संबंधित वारंटी अभियुक्त गेंदालाल पुत्र स्व0 गोरेलाल निवासी नहरामऊ थाना बकेवर जनपद फतेहपुर उम्र लगभग 38 वर्ष को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय भेजा गया।

तीन दिवसीय विवेचक प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ समापन

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण के निर्देशन में पुलिस कार्यालय कौशाम्बी स्थित दुगार्भाभी सभागार में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का बुधवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ।
दिनांक 18.05.2026 से 20.05.2026 तक संचालित इस कार्यशाला में जनपद के विभिन्न थानों से आए विवेचकों को बीएनएसएस-2023 के प्रभावी अनुपालन, गुणवत्तापूर्ण विवेचना एवं सुदृढ़ अभियोजन से संबंधित महत्वपूर्ण विधिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
समापन दिवस पर विवेचकों को गिरफ्तारी की

वैधानिक प्रक्रिया, व्यक्तिगत तलाशी मेमो, गिरफ्तारी मेमो, साक्ष्य संकलन, अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण, केस डायरी लेखन की गुणवत्ता तथा न्यायालय में प्रभावी प्रस्तुतिकरण से संबंधित आवश्यक बिंदुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही अभियोजन को अधिक प्रभावी एवं मजबूत बनाने हेतु विवेचना के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर भी विशेष रूप से मार्गदर्शन प्रदान किया गया।
सीओ कौशाम्बी जनेश्वर प्रसाद पाण्डेय की उपस्थिति में रढड संजय कुमार द्वारा संपन्न कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित विवेचकों को नवीन विधिक प्रावधानों के अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित करने एवं विवेचना की गुणवत्ता को और अधिक बेहतर बनाने हेतु प्रेरित किया गया।
कार्यशाला के समापन अवसर पर अधिकारियों द्वारा प्रतिभागी विवेचकों को प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान एवं अनुभव का व्यवहारिक रूप से उपयोग करते हुए निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी विवेचना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अपहरण का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । 14 जनवरी को थाना सैनी पर एक वादिनी द्वारा सूचना दी गयी कि मेरी नाबालिग पुत्री को झांसी का रहने वाला अजय कुमार बहला-फुसला कर भगा ले गया है । प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना सैनी पर मुकदमा पंजीकृत किया गया था ।
बुधवार को थाना सैनी पुलिस टीम द्वारा वांछित अभियुक्त अजय कुमार पुत्र पूरन निवासी मारपुरा थाना दभो जनपद भिण्ड मध्य प्रदेश को गिरफ्तार किया गया है एवं पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया गया है ।

कप्तान के नेतृत्व में समस्त थाना क्षेत्रों में अतिक्रमण के विरुद्ध चलाया गया वृहद अभियान

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा भारी पुलिस बल के साथ कस्बा मंझनपुर में पैदल गश्त के दौरान सड़क मार्ग पर बाधा उत्पन्न कर रहे अतिक्रमण को मौके पर ही हटवाया गया । पुलिस अधीक्षक द्वारा दुकानदारों से वार्ता करते हुये उन्हें बताया गया कि सड़क सुरक्षा एवं सुचारू यातायात व्यवस्था हेतु अतिक्रमण मुक्त मार्ग अत्यंत आवश्यक है साथ ही संबंधित दुकानदारों को भविष्य में अतिक्रमण न करने हेतु सख्त चेतावनी भी दी गई।

इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों की पुलिस द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में सड़क किनारे किए गए अतिक्रमणों को हटवाने की कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान मार्गों को बाधामुक्त कर आमजनमानस हेतु यातायात व्यवस्था को सुगम एवं सुचारू बनाया गया । उपरोक्त अभियान यातायात संचालन में सहजता एवं सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में सहायक होगा।
पुलिस द्वारा आमजन एवं व्यापारियों को यातायात नियमों के पालन, निर्धारित सीमा के भीतर ही व्यवसायिक गतिविधियाँ संचालित करने तथा सड़क पर अवरोध उत्पन्न न करने हेतु जागरूक किया गया। साथ ही भविष्य में अतिक्रमण पाए जाने पर नियमानुसार कठोर विधिक कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई।
इस प्रकार की कार्यवाहियाँ जनपद में सुरक्षित, सुगम एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निरंतर जारी रहेंगी।

पन्त की कविताओं में आस्था और लोकमंगल का भाव मुखरित

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। नगर के साहित्यानुरागियों ने बुधवार को प्रकृति के सुकुमार कवि पं० सुमित्रानंदन पंत की जयंती मना कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। खास बात यह कि प्रयाग स्थित जिला कचहरी के पास जिस घर में अपनी सारस्वत साधना कर पंतजी ने अपनी कई कालजयी रचनाओं का प्रणयन कर हिंदी साहित्य को समृद्ध किया, उसी प्रांगण में माल्यार्पण एवं गोष्ठी आयोजित हुई। इस अवसर पर उनके साहित्यिक योगदान पर चर्चा हुई। उपस्थित सभी लोगों ने एक स्वर से कहा कि पंतजी ने अपनी श्रेष्ठ साहित्यिक साधना से प्रयागराज के गौरव को और भी ऊँचाई दी है। इसके लिए प्रयागवासी उनके सदैव कृतज्ञ रहेंगे। पं० देवीदत्त शुक्ल-रमादत्त शुक्ल शोध संस्थान के तत्वावधान में आयोजित गोष्ठी में भाजपा काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता ने कहा कि छायावाद के प्रमुख स्तंभ पंत जी ने अपने इसी छोटे से आवास में कई श्रेष्ठ रचनाओं का प्रणयन किया। यहां की धरती से उन्होंने पूरी विश्व मानवता को एक नया संदेश दिया। उनके आवासीय परिसर के सम्मुख स्थित यह पार्क पहले उपेक्षित स्थिति में था। बाद में यहाँ पन्त जी की प्रतिमा स्थापित हुई। पहली बार जब मैं पार्षद बना, तब इस स्थान पर उनकी जयन्ती पर समारोह कराने का प्रयास किया, जो आज भी हो रहा है । इस स्थान का सौंदर्यीकरण होने से यह महत्त्वपूर्ण स्थान बन गया है । इसे अभी और सुसज्जित कराने की आवश्यकता है।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद काशी प्रांत के संरक्षक डॉ मुरारजी त्रिपाठी ने कहा कि पन्त जी ने प्रकृति का मानवीकरण कर पूरे विश्व को नया जीवन दर्शन दिया है। वरिष्ठ पार्षद भोला तिवारी ने गोष्ठी में आए हिन्दी-प्रेमियों का स्वागत किया। संयोजक व्रतशील शर्मा ने पंत जी के प्रतिमा-स्थल पर पहुँचने के लिए मुख्य सड़क पर संकेत पट्टिका लगाये जाने की माँग की। संचालक वेदप्रकाश पाण्डेय ने पंत जी के साहित्यिक जीवन पर प्रकाश डाला तथा बताया कि पंत जी ने पद्मभूषण जैसे पुरस्कार को लौटा कर साहित्यकारों के लिए एक नया आदर्श प्रस्तुत किया था।
गोष्ठी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सेवा प्रमुख विभूति द्विवेदी, भाजपा किसान मोर्चा के अंजनी सिंह, अभिषेक गुप्त, अरुण गुप्त, गोविन्द गोस्वामी, देवेन्द्र गर्ग, संदीप तिवारी 'नौजवान', जितेंद्र राय, वीरेन्द्र गुप्त, सुरेश यादव, रणविजय सिंह, सुनीलकुमार शुक्ल, राकेश, मोईनुद्दीन, गोले आदि उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण हेतु स्थल चयन, गड्ढ़े की खुदाई व अन्य सम्बंधित कार्य योजना की सूचना तत्काल उपलब्ध कराये-डीएम

जिलाधिकारी ने कहा-ज्यादा पौधरोपण करने वाले विभाग पहले से ही पौध की मांग वन विभाग को प्रेषित कर दें

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने प्रभागीय वनाधिकारी से वर्ष 2026 में आयोजित होने वाले वृक्षारोपण अभियान की तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को वृक्षारोपण कराये जाने हेतु स्थल चयन, गड्ढ़ें की खुदाई एवं कार्य योजना की सूचना तत्काल उपलब्ध कराये जाने का निर्देश दिया है। इस सम्बंध में जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित विभागों को वृक्षारोपण के सम्बंध में अपने विभाग के किसी अधिकारी को नोडल के रूप में नामित करते हुए उसकी सूचना उपलब्ध कराये जाने का निर्देश दिया है। सभी सम्बंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि जिन विभागों के द्वारा ज्यादा पौधरोपण किया जाना है, वे पहले से ही उसकी मांग वन विभाग को प्रेषित कर दें। विगत वर्षों में रोपित कराये गये पौधों की सिंचाई की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने उन विभागों के अधिकारियों को जिन्होंने पिछले वर्ष किए गए वृक्षारोपण का अन्र्तविभागीय सत्यापन रिपोर्ट अभी तक नहीं उपलब्ध कराया है, उन्हें तत्काल सत्यापन रिपोर्ट उपलब्ध कराये जाने का निर्देश दिया है।

जिलाधिकारी ने जिला गंगा समिति की बैठक में सभी सम्बंधित विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि गंगा नदी एवं उनकी सहायक नदियों पर कोई भी स्थायी या अस्थायी कार्य किए जाने के पूर्व ही राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) से अनुमति लिया जाना आवश्यक है, इसलिए कोई भी विभाग जैसे-पीडब्लूडी, सेतु निगम, एनएचआई व अन्य विभाग यदि कोई भी निर्माण कार्य गंगा नदी या उनकी सहायक नदियों पर या बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में करवाते है, तो कार्य के निर्माण से पूर्व ही इस सम्बंध में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन से अनुमति प्राप्त करने हेतु जिला गंगा समिति के माध्यम से अनिवार्य रूप से प्रस्ताव प्रेषित करायें। उन्होंने नालों की टैपिंग का कार्य तेजी से कराये जाने के निर्देश दिए है, जिससे कि किसी भी नाले का पानी सीधे गंगा नदी में न गिरने पाये। बैठक में जिलाधिकारी ने प्रभागीय वनाधिकारी को इको सेंसिटव जोन बनाये जाने हेतु स्थल का चयन सुनिश्चित कराते हुए इस सम्बंध में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने जिला पर्यावरण समिति की बैठक में वायु गुणवत्ता सुधार हेतु संचालित विभिन्न कार्य योजनाओं, वायु गुणवत्ता निगरानी, जन-जागरूकता कार्यक्रमों, हरित क्षेत्र विस्तार एवं प्रदूषण नियंत्रण संबंधी गतिविधियों की समीक्षा की तथा संबंधित विभागों को निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु समयबद्ध एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही नगर निगम, पुलिस विभाग एवं उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रतिबंधित चाइनीज/नायलॉन मांझा के निर्माण, भंडारण, परिवहन, बिक्री एवं उपयोग के विरुद्ध की गई छापेमारी, जब्ती एवं विधिक कार्यवाही की जानकारी प्रस्तुत की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि नियमित प्रवर्तन अभियान चलाकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा आमजन को प्रतिबंधित मांझा के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने हेतु व्यापक जन-जागरूकता अभियान संचालित किए जाएं।

इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी अरविंद कुमार यादव सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय का हुआ निरीक्षण

दो अफसरों के मौका मुआयना में सब कुछ "झकाझक"

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशन में बुधवार को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्रीमती विनीता सिंह व अपर नगर मजिस्ट्रेट चतुर्थ सुश्री जूही प्रसाद द्वारा स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एमएलएन मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डा० वीके पाण्डेय, एसआरएन की अधीक्षिका डॉ० नीलम सिंह उपस्थित रहे। मुख्य अधीक्षक कार्यालय में उपलब्ध उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण किया गया। डॉ० गुलाम अहमद स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय, प्रयागराज के द्वारा टी०बी०चेस्ट विभाग, ई.एन.टी विमाग, कार्डियोलॉजी विभाग, गैस्ट्रोलॉजी विभाग, रेडियो थेरेपी विभाग, एनेस्थीसिया विभाग, आर्थोपेडिक विभाग, डेन्टिस्ट विभाग, पीएमएसएसवाई विभाग, गायनकॉलजिस्ट विभाग, रेडियोलॉजी विभाग, मनोचिकित्सा विभाग व मेडिसिन विभाग के उपस्थिति पंजिका प्रस्तुत की गयीं। उपस्थिति पंजिका में कई डॉक्टर्स ग्रीष्म अवकाश पर थे। अवकाश पर गये डॉक्टर्स के स्थान पर उपलब्ध डाक्टरों की ड्यूटी लगायी गयी है। निरीक्षण के समय सभी चिकित्सकों एवं स्टाफ को निर्देशित किया गया कि वे निर्धारित समय पर अपने उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर बनाकर अपने ड्यूटी स्थल पर उपस्थिति सुनिश्चित करें। इसके पश्चात मेडिसिन आईसीयू वार्ड नं0- 8, हीटवेव वार्ड नं0-7, पी0एम0एस0एस0वाई0 वार्ड व जन औषधि केन्द्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आफिस ड्यूटी रूम, आईसीयू वार्ड, आपरेशन वार्ड, आपरेशन थियेटर आदि में चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ, सफाईकर्मी व अस्पताल के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। एस0आर0एन0 चिकित्सालय के मुख्य बिल्डिंग स्थित विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया गया। चिकित्सालय के मुख्य भवन के भूतल व ट्रॉमा सेन्टर के प्रथम तल पर आई०सी०यू० वार्ड के सामने पेयजल वाटर कूलर उपलब्ध था व पानी की व्यवस्था मौजूद थी। सड़क नाली व फर्श की स्थिति सामान्य पायी गयी, परन्तु कतिपय जगहों पर, जहाँ से मरीजों का भी आना-जाना होता है, ऊबड़-खाबड़ फर्श थी। फर्शो को तत्काल दुरूस्त कराये जाने के लिए निर्देशित किया गया। दवाईयों की उपलब्धता के सम्बंध में डॉ० कलाम अहमद द्वारा अवगत कराया गया कि मरीजों के लिए दवाईयों आदि की व्यवस्था अस्पताल के अन्दर ही उपलब्ध है उन्हें बाहर से खरीदने की जरूरत नहीं पड़ती है। अस्पताल में मरीजो एवं उनके तीमारदारों से पूछने पर भी उनके द्वारा बताया गया कि दवायें आदि की व्यवस्था अस्पताल द्वारा ही की जाती है तथा अस्पताल के जन औषधि केन्द्र पर दवायें प्राप्त हो जाती हैं। जन औषधि केन्द्र के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि दवा देने के दो काउण्टर उपलब्ध थे, परन्तु दवा काउण्टरों पर भीड़ अत्यधिक थी। दवा वितरण सुचारू रूप से हो रहा था। भीड़ को देखते हुए पर्याप्त मात्रा में काउंण्टर उपलब्ध होने की आवश्यकता प्रतीत हुई, जिसके लिए आवश्यक्तानुसार काउण्टरों की संख्या बढ़ायें जाने हेतु निर्देशित किया गया, जिससे तीमारदारों को दवायें आसानी व अविलम्ब उपलब्ध हो सकें। अस्पताल में मरीजों को दी जाने वाली सुविधाओं की जांच के लिए आईसीयू, अल्ट्रा साउण्ड, एक्स-रे, एमआरआई दवा स्टोर आदि का निरीक्षण किया गया। सभी चिकित्सा उपकरण क्रियाशील पाये गये। आर्थोपेडिक वार्ड का निरीक्षण किया गया। आर्थोपेडिक वार्ड में 32 मरीज भर्ती पाये गये। निरीक्षण के दौरान भर्ती मरीजों के परिजनों के द्वारा अवगत कराया गया कि वार्ड में कूलर लगे हैं लेकिन इन कूलरों की मोटर खराब है, जिसके कारण इस प्रचण्ड गर्मी में काफी असुविधा हो रही है। निरीक्षण पर ज्ञात हुआ कि वार्ड में पाँच कूलर लगे हैं, जिसमें से तीन की मोटर खराब है। इस सम्बन्ध में सम्बन्धित को तत्काल कूलरों में मोटर की व्यवस्था सुनिश्चित कराते हुए अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इन वाडों में भर्ती मरोजों से खान-पान, दवा तथा अन्य व्यवस्थओं के संबंध में पूछताछ की गयी। मरीजो के द्वारा बताया गया कि उन्हें अस्पताल से ही नाश्ता, दोपहर का भोजन आदि भी दिया जाता है। निरीक्षण के दौरान जन सामान्य हेतु उपलब्ध आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सामान्य पायी गयीं है। इसे और बेहतर किये जाने की आवश्यकता है। वार्ड नं0-7 मेडिसिन वार्ड का निरीक्षण किया गया। वार्ड में 15 मरीज भर्ती पाये गये। वार्ड में संवेनशील मरीज भी भर्ती थे। इन मरीजों की देखभाल में डयूटीवार डॉक्टर उपस्थित थे। इन मरीजों का हालचाल जानकर डॉक्टरो को निर्देशित किया गया कि गम्भीर मरीजों की देखभाल में बराबर ड्यूटी पर मौजूद रहे। वार्ड नं0-8 का निरीक्षण किया गया। वार्ड में भी गम्भीर रूप से बीमार मरीज भर्ती थे। वार्ड में आन्ध्र प्रदेश की भर्ती मरीज वेंकटेश वर्ना, जो फेफड़े के संक्रमण से पीड़ित हैं, के परिजन के द्वारा बेहतर ईलाज उपलब्ध कराये जाने का अनुरोध किया गया। उनको भाषा की भी दिक्कत हो रहीं है। ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर गणों से अनुरोध किया गया कि इनका ध्यान रखा जाये, जिससे इन्हें असुविधा न हो और ईलाज बेहतर मिले। चिकित्सालय में दलालों की संलिप्तता कोई तथ्य संज्ञान में नहीं आया है। अस्पताल में भर्ती मरीजों व उनके तीमारदारों से इस सम्बन्ध में पूछ-ताछ की गयी तो उनके द्वारा अवगत कराया गया कि ऐसा किसी के द्वारा उन्हें किसी चीज के लिए बाध्य नहीं किया गया। इसके अतिरिक्त स्वरूपरानी चिकित्सालय के चिकित्सकों के निजी प्रैक्टिस के सम्बन्ध में भी निरीक्षण के दौरान इस प्रकार का कोई तथ्य प्रकाश में नहीं आया है। निरीक्षण के दौरान एस.आर.एन. अस्पताल की सभी व्यवस्थायें सन्तोषजन पायी गयीं। गर्मी के दृष्टिगत सम्पूर्ण चिकित्सालय परिसर का फायर हाईड्रेण्ट एवं इलेट्रिक सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य रूप से कराये जाने की अपेक्षा की गयी है।

अफ्रीकी कलाकार पहुंचे एनसीजेडसीसी, साझा किए रचनात्मक अनुभव

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित इंडिया-अफ्रीका फोरम समिट-4 के अंतर्गत अफ्रीका के विभिन्न देशों से आमंत्रित कलाकारों का बुधवार को उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनसीजेडसीसी) प्रयागराज में पारंपरिक भारतीय आतिथ्य के साथ भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर केंद्र परिसर स्थित महात्मा गांधी कला वीथिका में विशेष चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसका अवलोकन अफ्रीकी कलाकारों ने अत्यंत उत्साह एवं रुचि के साथ किया। कलाकारों ने दृश्य कला विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ संवाद स्थापित करते हुए कला, संस्कृति एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति पर अपने अनुभव साझा किए। संवाद के दौरान भारतीय लोक संस्कृति, पारंपरिक कला शैलियों, प्राकृतिक रंगों के प्रयोग तथा सांस्कृतिक जड़ों को संरक्षित करने की आवश्यकता पर विशेष चर्चा हुई। यह संवाद भारत - अफ्रीका के मध्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान का सशक्त माध्यम बना।

कार्यक्रम के दौरान केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा एवं उपनिदेशक डॉ. मुकेश उपाध्याय ने सभी अंतरराष्ट्रीय कलाकारों को अंगवस्त्र एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया।

अफ्रीका से आए कलाकार प्रयागराज एवं वाराणसी की सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक परंपराओं और लोकजीवन से प्रेरित चित्रों का सृजन करेंगे। इन विशेष कलाकृतियों की प्रदर्शनी 31 मई 2026 को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित की जाएगी।

इस सांस्कृतिक यात्रा में शामिल प्रमुख कलाकारों में इजिप्ट से डॉ. हल्ला शाफे (विजुअल आर्टिस्ट), बुर्किनोफासो से मौसा सावागोगो (चित्रकार, स्केच कलाकार एवं काष्ठ मूर्तिकार), कैमरून से मैक्स ल्योंगा साको (चित्रकार) तथा चाड से बोरसोर्टा जिमीरा (चित्रकार एवं शिक्षक) शामिल हैं।

महिला की हत्या कर गहने लूटने वाले दो बदमाश दबोचे गए

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। माण्डा पुलिस व एसओजी जोन यमुनानगर की संयुक्त टीम द्वारा हत्या के अभियोग का अनावरण किया गया। इसमें दो अभियुक्त गिरफ्तार किए गए हैं। लूटा गया माल 2 पायल, 2 हाथ कंगन, 4 बिछिया, 2अंगूठी मय नग सफेद धातु कब्जे से बरामद किया गया है।

गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में बृजेश कुमार बिन्द उर्फ मुत्तन निवासी ग्राम बबुरा बरहाकला थाना माण्डा प्रयागराज और रंगलाल बिन्द निवासी ग्राम बबुरा बरहाकला थाना माण्डा प्रयागराज शामिल हैं। इन दोनों को मंगलवार को मसौली पावर हाउस के पास से गिरफ्तार किया गया। बरामदगी के बाद मुकदमा में धारा 309(6)/317(2) बीएनएस की बढोत्तरी की गई। पुलिस ने बताया कि 12 अप्रैल को उषा देवी पत्नी श्यामा चरन निवासी ग्राम साड़ी थाना माण्डा प्रयागराज द्वारा अज्ञात अभियुक्तों के द्वारा वादिनी की माँ कस्तूरा देवी की हत्या कर देने के सम्बन्ध में तहरीर दी गई थी। तहरीर के आधार पर मांडा थाने में धारा 103(1) बीएनएस बनाम अज्ञात के विरूद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना में इन दोनों का नाम सामने आया।

पहले मारा फिर गहने लेकर चंपत हो गए

पुलिस की मानें तो पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा पुलिस की बताया गया कि 11/12 अप्रैल की रात उन दोनों ने मिलकर गांव की कस्तूरा देवी को जान से मारकर शरीर पर पहने हुए गहने को उतार लिया था। पूछने पर बताया कि हम दोनों लोगों पर कर्जा था, कस्तूरा देवी अकेली ही घर पर रहती थी, हमारा वहां आना जाना पहले से ही था। उनके पहने हुए चांदी के जेवर देखकर हम दोनों की नियत पलट गयी थी और जेवर लूटने के लिए कस्तूरा देवी के घर पर गये।

आहट पाकर कस्तूरा देवी जैसे ही उठना चाही तो हम लोगों ने उन्हे चारपाई पर दबा दिया और कपडे से मुंह और नाक बन्द कर दिया । थोडा छटपटाने के बाद उनकी मौत हो गयी। तो हम दोनों ने उनके पहने हुए गहने पायल कंगन बिछिया और अंगूठी उतार ली और गहना लेकर चले गये। उस सामान को हम लोग छिपा कर रखे थे। मामला शान्त हो जाने के बाद उन गहनों को बेचने जा रहे थे गिरफ्तार कर लिए गए।

ग्रीष्मकालीन बाल कार्यशाला में नौनिहाल सीख रहे कला की विविध विधाओं का प्रशिक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा आयोजित प्रस्तुतिपरक ग्रीष्मकालीन बाल कार्यशाला का शुभारंभ बुधवार को केंद्र प्रेक्षागृह में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्र उपनिदेशक डॉ. मुकेश उपाध्याय, कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय एवं प्रशिक्षकों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

इस अवसर पर डॉ. मुकेश उपाध्याय ने कहा कि बच्चों में कला एवं संस्कृति के प्रति रुचि विकसित करने तथा उनकी रचनात्मक क्षमता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को भारतीय लोक एवं शास्त्रीय कलाओं की विविध विधाओं से परिचित कराया जाएगा। केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने बताया कि कार्यशाला की विभिन्न विधाओं में लगभग 210 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की है। कार्यशाला प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक आयोजित की जा रही है। चयनित प्रतिभागियों को रंगमंच, शिल्पकला, हस्तकला, ढेढ़िया लोकनृत्य, कथक, चित्रकला, भरतनाट्यम एवं डांडिया लोकनृत्य का प्रशिक्षण अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा दिया जा रहा है।

हीट वेब को देखते हुए जनगणना स्थगित करने की मांग

उप्र माध्यमिक शिक्षक संघ, वैचारिक एसो, राज्य शैक्षिक महासंघ आया आगे

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। शिक्षक संघ के पदाधिकारियों की आज अलग - अलग स्थानों पर बैठक हुई जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ से अपील की गयी है कि प्रदेश में हीट वेब चल रही है प्रतिदिन तापमान 42 से 45 डिग्री तक है ऐसे में लोगों का घरों से निकलना मुश्किल है, इसके बावजूद जनगणना शुरू की जा रही है, अगर किसी शिक्षक और कर्मचारी को कुछ भी होगा तो उसके लिए कौन जिम्मेदार होगा इसलिए जनगणना को अभी स्थगित किया जाये और मौसम के सामान्य होने पर अगस्त माह से जनगणना शुरू कराई जाये जिससे कि शिक्षको, कर्मचारियों को परेशानी ना होने पाए।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) के प्रदेश अध्यक्ष डा हरिप्रकाश यादव की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें बडी संख्या में शिक्षकों और कर्मचारियों ने एक स्वर में जनगणना का विरोध किया है। कहा कि एक तरफ प्रदेश सरकार प्रतिदिन लोगों को हीट वेब के बारे मे जानकारी देते हुए जागरूक कर रही है वही दूसरी ओर जनगणना शुरू करवा दिया है। इसी तरह से कोविड मे शिक्षक, कर्मचारियों की डियूटी लगा दिया था जिसमे बडी संख्या मे शिक्षक और कर्मचारी कोविड से ग्रस्त होकर मर गये थे।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) के प्रदेश अध्यक्ष डा हरिप्रकाश यादव ने कहा कि एक तरफ सूबे का तापमान 42 से 48 डिग्री चल रहा है जहां लोग भीषण गर्मी मे घरो से नही निकल पा रहे है वही सरकार और एसी में बैठे अफसर भीषण गर्मी में जनगणना करा रहे है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जनगणना कार्य को तुरन्त रोका जाये और मौसम सामान्य होने पर फिर से जनगणना शुरू करवायी जाये।

बैठक में एकजुट के प्रदेश उपाध्यक्ष उपेन्द्र वर्मा, जिलाध्यक्ष देवराज सिंह, सुरेन्द्र सिंह, विजय यादव, लक्ष्मी नारायण सिंह, सुधाकर ज्ञानार्थी, मिथलेश मौर्या, कमलेश यादव सहित बडी संख्या मे शिक्षक थे।

उप्र वैचारिक शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डा ज्ञान प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में आज बैठक हुई जिसमें शिक्षक, शिक्षिकाओं ने एक स्वर मे कहा कि भीषण गर्मी में जनगणना कराने का कौन सा और कैसा औचित्य है इसलिए जनगणना अगस्त माह से शुरू करवाया जाये जिससे कि शिक्षक और कर्मचारियों को परेशानी ना होने पाये। एसो के प्रदेश अध्यक्ष डा ज्ञान प्रकाश सिंह का कहना है कि मौसम सामान्य होने पर जनगणना शुरू की जाए जिससे कि शिक्षक और कर्मचारियों को परेशानी ना होने पाए।

उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी मे लोगो का घरो से निकलना मुश्किल हो गया है इसके बाद कैसे शिक्षक, कर्मचारी जनगणना का कार्य शुरू करेंगे। बैठक मे एसो के विनोद कुमार, शव कुमार, अरविन्द कुमार, सतीश सहित बडी संख्या मे शिक्षक, कर्मचारी थे।

25 हजार का इनामिया हत्या आरोपी हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीसीपी नगर मनीष शांडिल्य के निर्देश पर जार्जटाउन पुलिस इनामिया अपराधियों की तलाश में मुखबिर की सूचना पर 25 हजार के इनामिया को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थानाध्यक्ष योगेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र में वांछित वारंटी इनामिया अपराधियों की तलाश में मुखबिर की सूचना पर हत्या आरोपी 25 हजार का इनामिया वांछित अभियुक्त अभियुक्त सिकन्दर पासी पुत्र शम्भूलाल निवासी 335/63 पूरादलेल, अल्लापुर, थाना जार्जटाउन जनपद प्रयागराज को कॉपरेटिव चौराहा सहकारी बैंक के पास थाना क्षेत्र कर्नलगंज से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

उल्लेखनीय है कि उक्त अभियुक्त द्वारा अपने साथी अभियुक्तों के साथ मिलकर दिनांक- 26/07/2025 की रात्रि में हिस्ट्रीशीटर साजन मेहतर की हत्या कर दी गयी थी, जिसके सम्बन्ध में थाना जार्जटाउन पर प्राप्त तहरीर के आधार उक्त अभियोग पंजीकृत किया गया तथा अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमो का गठन किया गया था । अभियोग से सम्बन्धित 05 अभियुक्तों को पूर्व मे गिरफ्तार कर कारागार मे निरुद्ध कराया जा चुका है।

फूलपुर में बुजुर्ग किसान की पड़ोसियों से विवाद में पिटाई,

फूलपुर। दरवाजे के सामने से रास्ता लेने से मना करने पर पड़ोसियों ने बुजुर्ग किसान इंद्राज चौहान निवासी दुबेकापूरा की जमकर पिटाई कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल किसान पिछले चार दिनों से थाने का चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें न्याय नहीं मिल पाया।

घटना के बाद आरोप है कि किसान के परिजन उसे घायल अवस्था में लेकर फूलपुर कोतवाली पहुंचे और पुलिस से कार्रवाई की मांग की। हालांकि, पुलिस ने न तो मुकदमा दर्ज किया और न ही घायल का मेडिकल कराया। इससे किसान के परिजनों में भारी नाराजगी है।

परिजनों ने डीसीपी गंगानगर को शिकायती पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है और पुलिस प्रशासन से न्याय की अपील की है।

भाजपा संगठन को मंडल स्तर पर मजबूत बनाने की रणनीति बनाई

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सिविल लाइन स्थित भाजपा कार्यालय में नवनियुक्त मंडल प्रभारियों व अध्यक्षों तथा मंडल प्रवासियों की बैठक में 2027 की तैयारियों के तहत मंडल, सेक्टर व बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने की रणनीति पर चिंतन मंथन हुआ। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र व प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर 1 से 7 तारीख तक मंडल, 7 से 15 तक जिला संगठन व 15 से 22 तारीख तक शक्ति केंद्र की बैठक आयोजित किए जाने की योजना है। मंडल प्रभारियों प्रवासियों को इस पर सक्रियता से काम करने की जरूरत है। कार्यकताओं को ढिलाई नहीं बरतना है। मंडल अध्यक्षों को भी लगातार सक्रिय रहना है। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि मंडल स्तर पर यदि हम मजबूत रहेंगे बूथ पर भी हम मजबूती से खड़े रहेंगे। वरिष्ठ कार्यकताओं से संपर्क मार्गदर्शन लेने में संकोच न करें। पश्चिम बंगाल की विजय के बाद अब यूपी की बारी है। रणजीत सिंह, डॉ शैलेश पांडेय, आनंद सोनकर, राजेंद्र मिश्र, अरुण पटेल, रमेश पासी, राजेश पटेल, अपूर्वा चंद्रा, अनिल मौर्य, अजय सिंह, सुमित वैश्य, नरेश कुंद्रा, अवनीश तिवारी, प्रवक्ता पवन श्रीवास्तव, भाजपा मीडिया विभाग के विवेक मिश्रा, भोला सिंह, रामलोचन साहू, गया प्रसाद आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री आगमन को लेकर देवरिया में ट्रैफिक डायवर्जन व पार्किंग व्यवस्था लागू

देवरिया। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन के 22 मई 2026 को जनपद देवरिया आगमन को लेकर प्रशासन द्वारा व्यापक यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था लागू की गई है। कार्यक्रम के दौरान शहर में यातायात सुचारु बनाए रखने के लिए विभिन्न मार्गों पर डायवर्जन लागू रहेगा तथा अलग-अलग स्थानों पर पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर ने बताया गोरखपुर मार्ग से आने वाले भारी एवं हल्के वाहनों को रामपुर चौराहा से रुद्रपुर एवं हाटा मार्ग की ओर भेजा जाएगा। बैतालपुर होते हुए डुमरी की तरफ वाहनों को नहीं जाने दिया जाएगा। केवल कार्यक्रम में शामिल होने वाले वाहन ही कार्यक्रम स्थल तक जा सकेंगे। पाण्डेय चक मार्ग से केवल कार्यक्रम स्थल जाने वाले वाहनों को अनुमति रहेगी।

उन्होंने बताया कि पुरवा तिराहा से आने वाले कार्यक्रम में शामिल वाहन भी इसी मार्ग से जाएंगे, जबकि अन्य हल्के वाहन शहर होकर सलेमपुर मार्ग से अपने गंतव्य को जाएंगे।

उन्होंने बताया कि बाला जी मंदिर की तरफ से केवल कार्यक्रम स्थल जाने वाले वाहन ही जा सकेंगे।

संपादकीय

दहेज के कारण आखिर कब तक जान गंवाती रहेंगी महिलाएं ?

नोएडा की 33 वर्षीय ट्विशा शर्मा, जो पूर्व मिस पुणे भी रह चुकी थीं, मात्र पांच महीने की शादी के बाद भोपाल के कटारा हिल्स स्थित ससुराल में 12 मई 2026 की रात संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी पर लटकी मिलीं। शादी दिसंबर 2025 में डेटिंग ऐप पर मिले वकील समर्थ सिंह के साथ हुई थी। ट्विशा हाल ही में दो महीने की प्रेग्नेंट थीं, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में एक हफ्ते पहले मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (टळढ) का खुलासा हुआ। मायके पक्ष का दावा है कि यह जबरन अबॉर्शन था, जिसमें सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह ने मानसिक यातना देकर ट्विशा को मजबूर किया। परिवार ने आरोप लगाया कि ट्विशा को पितृत्व पर संदेह कर उसके चरित्र पर सवाल उठाए गए, जिससे उस पर जबरदस्त मेंटल टॉर्चर हुआ। इस मामले में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मल्टीपल एंटीमॉर्टम इंजरी (मौत से पहले की कई चोटें) मिलने से हत्या की आशंका और मजबूत हो गई है। मामला इसलिए भी गंभीर हो गया है क्योंकि पति समर्थ सिंह पेशे से वकील हैं और उनके माता-पिता रिटायर्ड जज रह चुके हैं। ट्विशा के परिवार ने इसे आत्महत्या नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या करार दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, जबरन गर्भपात, शरीर पर चोटों के निशान और मौत से पहले की आखिरी कॉल जैसे कई तथ्य अब इस मामले को और रहस्यमयी बना रहे हैं।

चूंकि आरोपी परिवार न्यायिक पृष्ठभूमि से जुड़ा है, इसलिए ट्विशा के परिजनों ने स्थानीय पुलिस जांच पर सवाल उठाए हैं। परिवार का आरोप है कि प्रभाव के चलते पुलिस निष्पक्ष कार्रवाई नहीं कर रही। इसी वजह से परिवार ने मध्य प्रदेश से बाहर सीबीआई जांच की मांग की है। वहीं, सास को अग्रिम जमानत मिलने के बाद परिवार ने शव लेने से इनकार करते हुए दिल्ली एम्स में दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग उठाई है।

वैसे गिरिबाला सिंह के खिलाफ शुक्रवार को भोपाल पुलिस ने दहेज हत्या का मामला दर्ज किया है । इसके बाद गिरिबाला सिंह ने भोपाल जिला अदालत में अग्रिम जमानत की अर्जी लगा दी। शुक्रवार देर शाम तक चली सुनवई और परिजनों के विरोध के बावजूद जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत से गिरिबाला सिंह को अग्रिम जमानत मिल गई। सिंह को अग्रिम जमानत मिलने के बाद से परिजन और आक्रोशित हो गए और कहने लगे कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सभी चीजों का उल्लेख नहीं है, इसलिए लिए अग्रिम जमानत मिल गई है। सोमवार 18 मई को ट्विशा के पति और अधिवक्ता समर्थ सिंह की अग्रिम जमानत पर भोपाल जिला न्यायालय में सुनवाई होनी है। अग्रिम जमानत मिलने के बाद से ही परिजन अधिक आक्रोशित हैं। खैर अब यह न्यायिक प्रतिक्रिया में उलझा मामला चलता रहेगा व इसके रिजल्ट की हमें प्रतिक्षा ही करनी होगी । वैसे ट्विशा शर्मा की दहेज हत्या का सामने आया पहला मामला नहीं है । इसके पहले भी केरल के कोल्लम ज़िले में बीते 21 मार्च को एक 27 साल की महिला थूशरा की मौत हो गई। मौत के वक्त उसका वजन महज बीस किलो रह गया था। दरअसल, थूशरा की शादी के वक्त दो लाख रुपए दहेज की मांग रखी गई थी जो उसके माता-पिता नहीं दे पाए। दहेज की मांग पूरी न होने के कारण उसका पति और सास उसका शोषण करते थे। उन्होंने स्वीकार भी किया कि थूशरा को खाने के लिए रोज पानी मिलाकर चावल और चीनी के अलावा कुछ और नहीं दिया जाता था। वहां के पोस्टमैन ने पुलिस को बताया कि इस घटना की जानकारी पड़ोसियों को न हो, इसके लिए थूशरा को टिन की घेराबंदी वाले घर के भीतर कैद कर के रखा गया था। यह घटना भारत के सर्वाधिक शिक्षित राज्य की है। यह घटना आज की है। यह घटना दहेज हत्या की श्रेणी में ही आएगी। वह दहेज हत्या जो उत्तर-आधुनिक समय में भी न जाने कितनी महिलाओं की मौत का कारण बनती है।

बारात, संस्कार और बदलता समाज

एक समय था जब बारात का आना केवल एक परिवार का दूसरे परिवार तक पहुँचना नहीं, बल्कि पूरे गाँव का उत्सव माना जाता था। घर-आँगन सजते थे, पंगत लगती थी, गीत गाए जाते थे, बुजुर्ग आशीर्वाद देते थे और मेहमानों की आवभगत को सम्मान का प्रश्न समझा जाता था। आज वही बारात कई जगहों पर समय की घड़ी में इतनी सिमट गई है कि पूरा आयोजन ्फटाफट जाओ, गटागट खाओ, सटासट लिफाफा पकड़ाओ और झटाझट वापस आओ्र की शैली में बदलता दिखता है। यह बदलाव केवल खानपान या आयोजन की शैली का नहीं है; यह सामाजिक संबंधों, सामूहिकता और भारतीय विवाह-संस्कृति की आत्मा में आए परिवर्तन का संकेत है। पहले विवाह एक लंबी सामाजिक प्रक्रिया हुआ करती थी, जिसमें रिश्ते बनते थे, पड़ोस जुड़ता था और संस्कार पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थानांतरित होते थे। अब बहुत-सी शादियाँ एक दिन के कार्यक्रम, होटल या गेस्ट हाउस और सीमित औपचारिकताओं में पूरी हो जाती हैं, जिससे परंपरा का विस्तार सिकुड़कर रस्म-अदायगी में बदलने लगा है।

भारतीय विवाह केवल दो व्यक्तियों का निजी समझौता नहीं रहा है; वह हमेशा से परिवार, समुदाय और संस्कृति का साझा आयोजन रहा है। ग्रामीण समाज में बारात का अर्थ था मेहमानों का खुला स्वागत, सामूहिक भोजन, लोकगीत, हँसी-मजाक और रिश्तों की गरिमा का सार्वजनिक प्रदर्शन। भोजन का पंगत में परोसा जाना, दूल्हे का पारंपरिक वेश, समधी की पगड़ी, घर के आँगन में बनी अस्थायी सजावट और रात भर का ठहराव—ये सब विवाह को संस्कार बनाते थे, साधारण समारोह नहीं।

इसी सामाजिक ढाँचे में मेहमान का मान बढ़ाना, उसे ठहराना, उसकी देखभाल करना और उसके साथ अपनापन बाँटना एक नैतिक कर्तव्य समझा जाता था। बाराती केवल खाने वाले आगंतुक नहीं थे; वे आने वाले नए रिश्ते के प्रतिनिधि थे। इसलिए उनका स्वागत भी उतना ही आत्मीय और विस्तृत होता था जितना स्वयं विवाह का अर्थ।

योगी का संदेश: सड़क नमाजघर नहीं, कानून सबसे बड़ा धर्म

अजय कुमार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर स्पष्ट और सख्त संदेश दिया है कि सार्वजनिक सड़कों पर नमाज नहीं पढ़ी जाएगी। इससे पहले भी सीएम योगी आदित्यनाथ कई बार कह चुके हैं कि सड़क पर नमाज नहीं पढ़ी जाएगी और अगर कोई ऐसा करता है, तो कार्रवाई होगी। योगी ने पहले भी कहा था कि सड़क सार्वजनिक जगह है, वहां ट्रैफिक और लोगों की सुविधा प्रभावित नहीं होनी चाहिए। यह बयान कोई नया नहीं है, लेकिन हर बार जब यह मुद्दा उठता है, तो योगी की प्रतिक्रिया और भी कड़ी होती जाती है।दरअसल, हाल ही में हैदराबाद के एक मुस्लिम उपदेशक सैय्यद अयूब ने उत्तर प्रदेश के मुसलमानों को सड़क पर नमाज पढ़ने के लिए उकसाया और सीएम योगी को खुली चुनौती दी। वायरल वीडियो में सैय्यद अयूब ने कहा कि अगर मस्जिदों में जगह कम पड़ जाती है तो लोग सड़कों पर भी नमाज पढ़ सकते हैं, और उन्होंने मुख्यमंत्री को सीधी चुनौती देते हुए कहा कि अगर किसी में हिम्मत है तो मुसलमानों को सड़कों पर नमाज पढ़ने से रोककर दिखाए। इस बयान के बाद राज्य में पुलिस और प्रशासन और भी सतर्क हो गया। लेकिन योगी सरकार ने बिना किसी दबाव के अपना रुख बरकरार रखा कि सड़क किसी के लिए भी नमाज या पूजा की जगह नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ पर कड़ी चेतावनी देते हुए साफ कहा कि पर्व-त्योहारों के दौरान सार्वजनिक उद्दंडता और माहौल बिगाड़ने की किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर हाल में शांति, सुरक्षा और अनुशासन सुनिश्चित किया जाए और धार्मिक आयोजनों में परंपरागत स्वरूप का ही पालन कराया जाए। ईद-उल-फितर और अलविदा नमाज जैसे बड़े अवसरों पर जब लाखों लोग एकत्रित होते हैं, उस समय भी सरकार ने किसी को भी सड़कों पर कब्जा करने की इजाजत नहीं दी। मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और पुलिस कप्तानों को सीधे निर्देश दिए गए कि संवेदनशीलता के साथ काम करें, लेकिन कानून से कोई समझौता न हो। सड़क पर नमाज के अलावा योगी सरकार मस्जिदों और अन्य धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर के अनियंत्रित उपयोग पर भी सख्त लगाम कसे हुए है। सीएम योगी ने आदेश दिया कि बिना इजाजत के अब लाउडस्पीकर और माइक नहीं लगाए जाएंगे। जो लाउडस्पीकर पहले से इजाजत लेकर लगे हैं, उनकी आवाज धार्मिक परिसर से बाहर नहीं जानी चाहिए। नए धार्मिक स्थलों पर नए माइक लगाने की अनुमति नहीं मिलेगी।

यह आदेश किसी एक धर्म को टारगेट करके नहीं था। यह सभी धार्मिक स्थलों पर समान रूप से लागू किया गया। मंदिर हो, मस्जिद हो या गुरुद्वारा, सबके लिए एक ही नियम। योगी सरकार की सख्ती के बाद धार्मिक स्थलों पर लगे 17 हजार लाउडस्पीकरों की आवाज धीमी हो गई और 125 जगहों से लाउडस्पीकर हटा भी दिए गए। गौरतलब हो कि साल 2023 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर यूपी में 61,399 लाउडस्पीकर चेक किए गए। योगी सरकार के आने के बाद धार्मिक स्थलों से होने वाले ध्वनि प्रदूषण पर सख्ती की गई। मुख्यमंत्री ने विधानसभा सत्र में कहा था कि सरकार ने बेवजह के ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित किया है और सभी धर्मों के लोगों ने स्वेच्छा से लाउडस्पीकर हटाए हैं। बहरहाल, योगी सरकार ने केवल बयानों तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि जमीन पर ठोस कार्रवाई भी की। नेपाल सीमा से लगे जनपदों में यूपी सरकार ने अवैध रूप से बनी मस्जिदों, मजारों, ईदगाहों और मदरसों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। प्रशासन ने पिछले कुछ समय में 350 से अधिक अवैध धार्मिक स्थलों को चिह्नित कर सीलिंग और ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया को अंजाम दिया। जिन जिलों में यह कार्रवाई हुई, उनमें श्रावस्ती, बहराइच, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, पीलीभीत, बलरामपुर और लखीमपुर खीरी शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर चला अवैध कब्जा मुक्त अभियान यह संदेश देता है कि प्रदेश की जमीन पर अनधिकृत कब्जा, चाहे किसी भी धर्म के नाम पर हो, बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।गौरतलब हो कि सड़क पर नमाज और लाउडस्पीकर जैसे मुद्दे योगी सरकार की एक बड़ी रणनीति के हिस्से हैं, और वह रणनीति है जीरो टॉलरेंस। 2017 से राज्य में डकैती, लूट, दंगा, हत्या, अपहरण और बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में 85 फीसदी तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है। सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के कारण उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था में बड़े पैमाने पर सुधार हुआ है। 68 माफिया और उनके करीब 1500 सहयोगियों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है और 142 अरब रुपये की अवैध संपत्ति जब्त की गई है। ये आंकड़े बताते हैं कि जिस यूपी को कभी माफियाओं का अड्डा माना जाता था, वहां अब कानून का राज स्थापित हो चुका है।

यूपी की छवि कुछ वर्ष पहले तक एक ऐसे राज्य के रूप में थी, जहाँ अलग-अलग क्षेत्रों में माफियाओं और बाहुबलियों का दबदबा था। उन्हें या तो राजनीतिक संरक्षण प्राप्त था या वे खुद राजनेता बन गए थे।

लेकिन देश के सबसे बड़े सूबे में योगी सरकार आने के बाद यहाँ की तस्वीर बदल गई। सरकारी दावों की पुष्टि एनसीआरबी के राष्ट्रीय स्तर के आंकड़े भी कर रहे हैं। एनसीआरबी की वर्ष 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय क्राइम रेट 252.3 के मुकाबले यूपी का क्राइम रेट केवल 180.2 है। देश की लगभग 17 प्रतिशत आबादी उत्तर प्रदेश में रहती है, लेकिन कुल अपराधों के मामले में राज्य का स्थान 18वां है। यूपी के डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में आधुनिक पुलिस स्टेशन, एंटी रोमियो स्क्वॉड, महिला हेल्प डेस्क, फास्ट ट्रैक कोर्ट और संगठित अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई ने प्रदेश में कानून-व्यवस्था को मजबूत किया है।पश्चिम बंगाल के नेता सुवेंदु अधिकारी भी पश्चिम बंगाल में उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ वाला मॉडल लागू करने की बात करते नजर आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार पहले से ही सड़कों पर नमाज पढ़ने को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए है और सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति धार्मिक जमावड़ों पर रोक लागू है। यह योगी मॉडल की सबसे बड़ी सफलता मानी जा रही है। जब अन्य राज्यों की सरकारें यूपी की नीतियों की नकल करने लगें, तो समझिए कि काम हो रहा है।

लब्बोलुआब यह है कि योगी आदित्यनाथ का यह रुख कि सड़क किसी की निजी जायदाद नहीं है, न नमाज के लिए और न किसी अन्य धार्मिक कार्यक्रम के लिए, दरअसल संविधान की भावना के अनुरूप है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में कानून-व्यवस्था को सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि बीते वर्षों में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण, माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पुलिस व्यवस्था में सुधार से प्रदेश में निवेश का माहौल बेहतर हुआ है। आज का उत्तर प्रदेश वह नहीं है जहाँ अपराधी खुलेआम घूमते थे, जहाँ माफिया राजनीति को नियंत्रित करते थे, जहाँ सड़कें रात को बंद हो जाती थीं। आज का यूपी एक ऐसा प्रदेश बन रहा है जहाँ सबके लिए एक कानून है और उस कानून के सामने न कोई माफिया टिका, न कोई अतिक्रमणकारी और न कोई सड़क पर नमाज पढ़ने की जिद करने वाला।

लाहौर को फिर मिलने लगी हिंदू नाम वाली पहचान

संजय सक्सेना

लाहौर जिसे पाकिस्तान का दिल कहा जाता है, उस लाहौर की आत्मा सांझी सांस्कृतिक विरासत का जीता-जागता गवाह भी है। रावी के किनारे बसा यह शहर सदियों तक हिंदू, सिख, मुसलमान और बौद्ध सभ्यताओं की साझा थाती रहा है। 1947 से पहले लाहौर में हिंदू और सिख आबादी की एक बड़ी हिस्सेदारी थी। बाजारों में लक्ष्मी की पूजा होती थी, गली-गली में कृष्ण के मंदिर थे, जैन व्यापारियों के चौक पर धर्म की चर्चा होती थी। इन मोहल्लों, चौकों और सड़कों के नाम उस जीवंत समाज की भाषा बोलते थे- कृष्णनगर, संतनगर, लक्ष्मी चौक, जैन मंदिर चौक, धर्मपुरा आदि। लेकिन 1947 में विभाजन की आग ने सब कुछ बदल दिया। बंटवारे के बाद लाखों हिंदू और सिख परिवार रातों-रात अपनी जड़ें छोड़कर भारत आ गए। उनके जाने के साथ उनके नाम भी धीरे-धीरे मिटने लगे। विशेष रूप से 1990 के दशक में जब पाकिस्तान में धार्मिक कट्टरपंथ की लहर अपने चरम पर थी, इन ऐतिहासिक नामों को व्यवस्थित रूप से बदला जाने लगा। जहाँ कभी लक्ष्मी चौक की रौनक थी, वहाँ मौलाना जफर चौक का बोर्ड लग गया। जैन मंदिर चौक को बाबरी मस्जिद चौक का नाम दे दिया गया। कृष्णा नगर इस्लामपुरा बन गया। धर्मपुरा, मुस्तफाबाद हो गया। यह बदलाव महज नामों का परिवर्तन नहीं था,यह एक सभ्यता की स्मृति को जानबूझकर मिटाने की कोशिश थी,लेकिन पाकिस्तान की आजादी के करीब 78 साल बाद, इतिहास एक अप्रत्याशित करवट ले रहा है।

लाहौर प्रशासन ने पिछले दो महीनों के भीतर 9 प्रमुख जगहों के इस्लामी नाम बदलकर उन्हें पुराने हिंदू और ब्रिटिश काल के मूल नामों पर बहाल कर दिया है। इस पहल को लाहौर हेरिटेज एरिया रिवाइवल नाम दिया गया है और यह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की देखरेख में शुरू की गई है। इसका उद्देश्य लाहौर के पुराने इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना है। इसी के चलते लाहौर नगर निगम के रिकॉर्ड और सड़कों पर अब यह इतिहास दर्ज हो चुका है। इस्लामपुरा को कृष्णनगर, सुजतनगर को संतनगर और मौलाना जफर चौक को लक्ष्मी चौक का नाम वापस मिल गया है। बाबरी मस्जिद चौक अब जैन मंदिर चौक,मुस्तफाबाद अब धर्मपुरा, और सर आगा खान चौक अब डेविस रोड कहलाएगा। इसके अलावा अल्लामा इकबाल रोड को जेल रोड, फातिमा जिन्ना रोड को क्वींस रोड और बाग-ए-जिन्ना को फिर से लॉरेंस गार्डन का पुराना नाम दे दिया गया है। इन परिवर्तनों के साथ ही शहर में नए बोर्ड भी लगा दिए गए हैं। एक ऐसा दृश्य जो कुछ साल पहले तक कल्पना से परे लगता था। इस पूरी पहल के पीछे जो सबसे बड़ा नाम है, वह है पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज शरीफ। मार्च 2025 में स्थापित लाहौर अथॉरिटी फॉर हेरिटेज रिवाइवल के संरक्षक-प्रमुख नवाज शरीफ हैं और मरियम नवाज इसे कार्यकारी निगरानी प्रदान करती हैं। इस संस्था का वार्षिक बजट 635 मिलियन रुपये आवंटित किया गया है। मरियम नवाज की सोच यह है कि लाहौर की असली ताकत उसकी बहुसांस्कृतिक विरासत में है। 48 औपनिवेशिक इमारतों की बहाली का काम चल रहा है और भाटी गेट, शालीमार बाग, और शाहदरा कॉम्पलेक्स जैसे प्रमुख स्थल भी इस पुनरुद्धार योजना में शामिल हैं।

बहरहाल,यह कदम केवल भावनात्मक नहीं है।इसके पीछे कुछ बुनियादी बातें भी छिपी हैं। इसमें पर्यटन और अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने की राजनीतिक समझ भी काम कर रही है। लाहौर को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने की महत्वाकांक्षा भी इस योजना के पीछे एक प्रेरणा है, जो बात सबसे अधिक चौंकाती है, वह यह है कि इस बड़े बदलाव पर पाकिस्तान के अंदर से कोई बड़ा विरोध नहीं उठा। जबकि ऐसे मामलों में धार्मिक कट्टरपंथी संगठन प्रायः सड़क पर उतर आते हैं।बीकनहाउस यूनिवर्सिटी के लेक्चरर साद मलिक कहते हैं कि प्रशासन ने भले ही कागजों में इसका नाम मौलाना जफर अली चौक कर दिया था, लेकिन उनके और उनके पिता जैसे कई लोगों के लिए यह हमेशा से लक्ष्मी चौक ही रहा। यह नाम उनकी साझी विरासत का हिस्सा है।अनारकली इलाके के रहने वाले मौलाना वाजिद कादरी ने स्पष्ट कहा कि इस्लाम को किसी मंदिर या गुरुद्वारे से कोई दिक्कत नहीं है। उनका मानना है कि 1990 के दशक में जैन मंदिर चौक का नाम बाबरी मस्जिद चौक करना महज एक सियासी फैसला था और जिन पूर्वजों ने ये हिंदू नाम रखे थे, वे भी मुसलमान ही थे, इससे उनके ईमान पर कोई आंच नहीं आई थी।लाहौर में बदलाव का यह घटनाक्रम उस वक्त हो रहा है जब पाकिस्तान भीषण आर्थिक संकट, अंतर्राष्ट्रीय अलगाव और अपनी बिगड़ती छवि से जूझ रहा है। ऐसे में लाहौर की विरासत को पुनर्जीवित करना एक तरफ जहाँ सांस्कृतिक परिपक्वता का संकेत है, वहीं दूसरी तरफ यह एक रणनीतिक कदम भी है, विश्व को यह संदेश देना कि पाकिस्तान केवल कट्टरपंथ की पहचान नहीं है। लाहौर के पुराने बाशिंदे, जो भारत में है, इन खबरों को सुनकर भावुक हो जाते हैं। उनके लिए लक्ष्मी चौक या कृष्णनगर सिर्फ नाम नहीं, उनकी पुश्तैनी यादें हैं।

ढ़ते अपराध और अपराधमुक्त समाज निर्माण की चुनौती

ललित गर्ग

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़े केवल सांख्यिकीय दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज के उस अंधेरे और भयावह चेहरे को सामने लाते हैं, जिसे अक्सर विकास, आधुनिकता और राजनीतिक उपलब्धियों की चमक में छिपा दिया जाता है। वर्ष 2024 के अपराध आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर चाहे जितनी प्रगति कर रहा हो, लेकिन सामाजिक और नैतिक स्तर पर अनेक गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ है।

जब देश में हर 17 मिनट में हत्या, हर पांच मिनट में अपहरण, हर 18 मिनट में बलात्कार और लगभग हर दो मिनट में आर्थिक अपराध या धोखाधड़ी हो रही हो, तब यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह पूरे सामाजिक ढांचे, नैतिक मूल्यों और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा हो जाता है। आज हम विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विश्वगुरु भारत का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज भयमुक्त, हिंसामुक्त और अपराधमुक्त बने। अपराधों से ग्रस्त समाज कभी स्वस्थ, संतुलित और आदर्श समाज नहीं बन सकता। यदि समाज का वातावरण असुरक्षा, भय, अविश्वास और हिंसा से भरा होगा, तो विकास की सारी योजनाएं खोखली सिद्ध होंगी। एनसीआरबी के आंकड़े हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते अपराधों की जड़ों को नहीं पहचाना गया और उन पर कठोर अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह स्थिति भविष्य में और अधिक विस्फोटक हो सकती है।

विशेष चिंता का विषय महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हैं। राजस्थान का लगातार छठे वर्ष महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में शीर्ष पर बने रहना अत्यंत चिंताजनक है। बलात्कार के मामले में यह पहले स्थान पर, जबरन गर्भपात में दूसरे और भ्रूण हत्या में तीसरे स्थान पर है। विवाह के लिए महिलाओं के अपहरण के मामलों में भी राजस्थान चैथे नंबर पर है। इस अपराध में बिहार टॉप, यूपी दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर है। बिहार ्पकड़वा विवाह्न के लिए भी बदनाम है, जिसमें पुरुषों का अपहरण कर जबरन शादी कर दी जाती है।

यदि प्रति लाख आबादी के लिहाज से हत्या की दर का विश्लेषण किया जाए तो झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य टॉप पर हैं और उत्तर प्रदेश जैसा बड़ा और अपराधों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाला राज्य 12वें स्थान पर। इस मामले में मध्यप्रदेश छठे और राजस्थान सातवें पायदान पर खड़ा है।

सिस्टम का सच: हादसे पर होश, वसूली पर जोश, फिर बेहोशी

प्रो. आरके जैन अरिजीत

शाजापुर-मक्सी मार्ग पर नेशनल हाईवे-52 स्थित गोलवा के समीप होटल जैन पथ से जब इंदौर-ग्वालियर इंटरसिटी एक्सप्रेस बस आगे बढ़ी, तब किसी यात्री ने कल्पना भी नहीं की थी कि अगले कुछ मिनट मौत की दहशत में बदल जाएंगे। कोई फोन पर अपनों से बात कर रहा था, तो कोई सफर की थकान उतार रहा सबकुछ सामान्य और शांत था। तभी बस के भीतर अचानक जलती वायरिंग की तेज बदबू फैलने लगी। यात्रियों ने घबराकर ड्राइवर और कंडक्टर को धुआं उठने व शॉर्ट सर्किट की आशंका बताई, लेकिन चेतावनी अनसुनी कर दी गई।

सफर के बीच बस में आग भड़क उठी और वह कुछ ही क्षणों में लपटों में घिर गई। धुएं, चीखों और बचने की कोशिशों के बीच चार वर्षीय अनय जैन सीट के नीचे फंस गया और आग की चपेट में आ गया। बस में न तो कार्यशील अग्निशमन यंत्र था और न ही इमरजेंसी एग्जिट सही हालत में। यह सिर्फ तकनीकी खामी नहीं, बल्कि लापरवाही और बदहाल व्यवस्था की गंभीर सच्चाई थी, जिसने पिता की आंखों के सामने उनके मासूम बेटे को छीन लिया। इसे केवल दुर्घटना कहना सच को कम करके दिखाना होगा।

सबसे बड़ा सवाल आग लगना नहीं, बल्कि उसका कुछ ही मिनटों में बेकाबू हो जाना है। तकनीकी खराबी किसी भी वाहन में हो सकती है, पर मजबूत सुरक्षा इंतजाम उसे त्रासदी बनने से रोकते हैं। यदि बस में अग्निशमन यंत्र चालू हालत में होता, इमरजेंसी गेट समय पर खुल जाता या वायरिंग की जांच हुई होती, तो शायद यह मासूम आज जिंदा होता। मगर निजी बस संचालन में सुरक्षा को बोझ माना जाता है। ज्यादा सीटें, कम खर्च और अधिक मुनाफे की सोच ने यात्रियों की सुरक्षा को हाशिये पर धकेल दिया है। खराब वायरिंग, ज्वलनशील सामग्री और केवल कागजों पर फिटनेस अब सामान्य सच्चाई बन चुकी है।

धधकती बस की लपटों ने केवल जानें नहीं लीं, बल्कि परिवहन व्यवस्था की पोल भी खोल दी। बिना सुरक्षा उपकरणों वाली बस आखिर सड़क पर कैसे दौड़ रही थी? फिटनेस प्रमाणपत्र किस आधार पर मिला? क्या किसी ने कभी इमरजेंसी गेट की जांच की? सच यह है कि परिवहन विभाग में सुरक्षा अब सिर्फ कागजों तक सीमित रह गई है। जांच के नाम पर खानापूर्ति होती है और नियमों पर समझौते भारी पड़ते हैं। हर हादसे में ड्राइवर-कंडक्टर को दोषी ठहरा दिया जाता है, जबकि असली जिम्मेदार अक्सर बच निकलते हैं।

बसों में लगने वाली आग अब चौंकाने वाली घटनाएं नहीं रहीं, बल्कि व्यवस्था की आदत बन चुकी हैं। हर कुछ महीनों में कोई न कोई बस धधकती दिखाई देती है और फिर वही घिसा-पिटा क्रम शुरू होता है—अचानक जांच अभियान, कुछ चालान, कड़े बयान और फिर सब शांत। हादसे बदलते हैं, लेकिन लापरवाही नहीं। इस बार भी कुछ दिन बसों की चेकिंग होगी, अधिकारी फोटो खिंचवाएंगे, प्रेस नोट जारी होंगे और फिर पुरानी ढर्रा लौट आएगा। समस्या नियमों की नहीं, उन्हें सख्ती से लागू करने की नीयत की है।

यह सिर्फ एक बस हादसा नहीं, बल्कि जिम्मेदार तंत्र की सामूहिक विफलता है। दोष केवल ड्राइवर, कंडक्टर या मालिक का नहीं, बल्कि जिस रूट से बस गुजरी, वहां के आरटीओ अधिकारी, परिवहन प्राधिकरण, स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागीय जिम्मेदार भी बराबर के दोषी हैं। बिना जांच फिटनेस प्रमाणपत्र कैसे जारी हुए? इमरजेंसी एग्जिट बंद क्यों था? खराब वायरिंग और ज्वलनशील सीटों पर किसी की नजर क्यों नहीं गई? सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2023 से दिसंबर 2025 तक देश में 45 बस अग्निकांड हुए, जिनमें 64 लोगों की मौत और 145 लोग घायल हुए। राजस्थान सबसे ज्यादा मौतों वाला राज्य रहा, जबकि महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भी कई हादसे सामने आए। इतने भयावह आंकड़ों के बाद भी व्यवस्था का सुस्त बने रहना सबसे बड़ा खतरा है।

हर बड़े बस हादसे के बाद कुछ दिनों तक सड़कों पर सख्ती नजर आती है, फिर व्यवस्था दोबारा ढर्रे पर लौट जाती है। जांच, चालान और जब्ती केवल दिखावा बनकर रह जाते हैं। बस संचालकों को मालूम है कि राजनीतिक संरक्षण और अफसरशाही की सांठगांठ अंततः उन्हें बचा लेगी।

एसी ब्लास्ट: बढ़ता खतरा, कारण और बचाव

सत्य भूषण शर्मा

गर्मी का मौसम आते ही एयर कंडीशनर (अउ) आम आदमी की जरूरत बन चुका है। शहरों से लेकर कस्बों तक हर घर, दफ्तर और दुकान में एसी का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन हाल के दिनों में एसी ब्लास्ट और उससे लगी आग की घटनाओं ने लोगों को डरा दिया है। जो उपकरण हमें राहत देता है, वही लापरवाही के कारण जानलेवा भी बन सकता है। हाल ही में दिल्ली के विवेक विहार क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में संदिग्ध एसी ब्लास्ट के बाद लगी भीषण आग में कई लोगों की मौत हो गई। प्रारंभिक रिपोर्टों में एसी विस्फोट या शॉर्ट सर्किट को हादसे की वजह माना गया। इसी प्रकार दिल्ली के गोकुलपुरी क्षेत्र में भी एसी फटने से एक मासूम बच्चे की मौत और दूसरे के गंभीर रूप से घायल होने की खबर ने पूरे देश को झकझोर दिया।

इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एसी केवल सुविधा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी से उपयोग करने वाला विद्युत उपकरण है।

आखिर क्यों फटते हैं एसी ?

अत्यधिक गर्मी और ओवरलोड

जब तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच जाता है, तब एसी लगातार बिना रुके काम करता है। इससे कंप्रेसर पर अत्यधिक दबाव पड़ता है और मशीन गर्म होकर आग पकड़ सकती है।

घटिया वायरिंग और शॉर्ट सर्किट

कई घरों में पुराने तारों और कमजोर विद्युत कनेक्शन पर भारी क्षमता वाले एसी चलाए जाते हैं। इससे वायरिंग गर्म होकर शॉर्ट सर्किट का कारण बनती है।

नियमित सर्विसिंग का अभाव

धूल, गंदगी और गैस लीकेज के कारण एसी का सिस्टम प्रभावित होता है। लंबे समय तक सर्विस न होने पर कंप्रेसर और सर्किट खराब होकर विस्फोट जैसी स्थिति पैदा कर सकते हैं।

नकली या निम्न गुणवत्ता के पार्ट्स

सस्ते और लोकल पार्ट्स का उपयोग भी बड़ा कारण है। कई लोग पैसे बचाने के लिए घटिया तार, प्लग या सर्किट लगवा लेते हैं, जो बाद में खतरनाक साबित होते हैं।

लगातार कई घंटों तक उपयोग

बिना बंद किए 15-20 घंटे तक एसी चलाना मशीन पर अतिरिक्त दबाव डालता है। इससे ओवरहीटिंग का खतरा बढ़ जाता है।

खराब इंस्टॉलेशन

यदि एसी को प्रशिक्षित तकनीशियन द्वारा सही तरीके से इंस्टॉल न किया जाए तो गैस लीकेज, वायरिंग समस्या और स्पार्किंग का खतरा बढ़ जाता है।

एसी ब्लास्ट के पीछे मानवीय लापरवाही:

विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकांश हादसे तकनीकी खराबी से ज्यादा मानवीय लापरवाही के कारण होते हैं। लोग समय पर सर्विस नहीं करवाते, ओवरलोड बिजली बोर्ड पर कई उपकरण चला देते हैं और सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हैं।

मुख्यमंत्री योगी के विजन ने यूपी को बनाया एक्सप्रेसवे स्टेट, विकास की नई इबारत लिख रहा प्रदेश

उत्तर प्रदेश में 1900 किलोमीटर से अधिक हुआ एक्सप्रेसवे नेटवर्क

लखनऊ।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज देश में इंफ्रास्ट्रक्चर आधारित विकास का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर उभरा है। कभी पिछड़ेपन और विकास की धीमी रफ्तार के लिए पहचाने जाने वाला यूपी आज एक्सप्रेसवे स्टेट के रूप में नई पहचान बना चुका है।

गत 09 वर्षों में यूपी में एक्सप्रेस-वे नेटवर्क 1900 किलोमीटर से अधिक हो गया है। यह आर्थिक बदलाव की नई कहानी को दर्शा रहा है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे और निमार्णाधीन गंगा एक्सप्रेसवे जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स ने प्रदेश की तस्वीर बदल दी है। गाजीपुर से दिल्ली तक का सफर अब लगभग 10 घंटे में सिमट गया है। मेरठ से प्रयागराज तक गंगा एक्सप्रेसवे ने यात्रा समय को लगभग आधा कर दिया है।

एक्सप्रेसवे के किनारे बन रहे औद्योगिक पार्क व क्लस्टर

योगी सरकार ने खुद को केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं रखा, बल्कि एक्सप्रेसवे के साथ औद्योगिक विकास का मजबूत मॉडल तैयार किया है। सरकार सिक्योरिटी, स्टेबिलिटी और स्पीड के ट्रिपल-एस मॉडल के तहत एक्सप्रेसवे के किनारे विभिन्न औद्योगिक पार्क और क्लस्टर विकसित कर रही है, जो आने वाले समय में प्रदेश में औद्योगिक विकास की नई इबारत लिखेंगे, जिससे लाखों नए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे आज डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की रीढ़ बन चुका है। झांसी और चित्रकूट जैसे क्षेत्रों में रक्षा उत्पादन इकाइयों की स्थापना से रोजगार और निवेश के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। वहीं वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट योजना को भी इन एक्सप्रेसवे का बड़ा लाभ मिला है। कन्नौज का इत्र, कानपुर का चर्म उद्योग और पूर्वांचल के हस्तशिल्प अब तेज परिवहन व्यवस्था के जरिए राष्ट्रीय और वैश्विक बाजारों तक आसानी से पहुंच रहे हैं।

गांव से शहर तक पहुंचा विकास का लाभ

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि योगी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि यह मानी जा रही है कि एक्सप्रेसवे का लाभ केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहा। संपर्क मार्गों और ग्रामीण सड़कों के जरिए छोटे कस्बों और गांवों को भी इससे जोड़ा गया है। किसान अब अपने कृषि और दुग्ध उत्पाद कम समय में शहरों तक पहुंचा पा रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है। प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद करीब 36 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

ननिहाल की मिट्टी से जुड़ीं जूही बब्बर, नाना-नानी के संघर्ष को मंच पर करेंगी जीवंत

जौनपुर।
यूपी के जौनपुर में बॉलीवुड और रंगमंच की चर्चित अभिनेत्री जूही बब्बर बुधवार को जौनपुर में अपने नाना-नानी के जीवन संघर्ष पर आधारित एकल नाटक का मंचन करेंगी। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित प्रेक्षागृह में आयोजित इस विशेष प्रस्तुति में जूही बब्बर सभी पात्रों को स्वयं मंच पर जीवंत करेंगी।

मंगलवार शाम जिला पंचायत गेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जूही बब्बर भावुक नजर आईं।

उन्होंने कहा कि जौनपुर केवल एक शहर नहीं, बल्कि उनकी भावनाओं और पारिवारिक विरासत से जुड़ी वह पवित्र धरती है, जहां उनके पूर्वजों की यादें आज भी जीवित हैं।जूही ने बताया कि उनके नाना साजिद जाहिर खेतासराय थाना क्षेत्र के कलापुर गांव के निवासी थे। वे देश के प्रसिद्ध साहित्यकार, प्रगतिशील विचारक और शिक्षा के बड़े समर्थक थे। उन्होंने साहित्य और शिक्षा को समाज परिवर्तन का माध्यम बनाया तथा अपनी वैचारिक पहचान देश-विदेश तक स्थापित की।उन्होंने कहा कि वर्ष 1936 में उनके नाना ने बड़े साहित्यकारों और बुद्धिजीवियों को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से प्रोग्रेसिव राइटर एसोसिएशन की स्थापना की थी, जिसने उस दौर में सामाजिक चेतना और प्रगतिशील सोच को नई दिशा दी।जूही बब्बर ने अपनी नानी रजिया जाहिर को याद करते हुए कहा कि जब महिलाओं की शिक्षा पर तमाम सामाजिक बंदिशें थीं, तब उनके नाना ने उन्हें इलाहाबाद विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा के लिए भेजा। शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने लखनऊ के कई कॉलेजों में अध्यापन कर महिला शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया।

जूही ने कहा कि यह नाटक उनके लिए केवल एक प्रस्तुति नहीं, बल्कि अपने नाना-नानी को श्रद्धांजलि देने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को उनके संघर्ष, विचार और सामाजिक योगदान के बारे में जानना चाहिए।गौरतलब है कि जूही बब्बर प्रसिद्ध अभिनेता राज बब्बर और चर्चित रंगकर्मी नादिरा बब्बर की बेटी हैं।

स्वास्थ्य, शिक्षा और मानव सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ वंदना पाठक सम्मानित

कानपुर।
आरोग्य दर्पण परिवार द्वारा रविवार को एक प्रतिष्ठित होटल में स्वास्थ्य, शिक्षा और मानव सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने प्रतिष्ठित लोगों को सम्मानित किया और इसी क्षेत्र से जुड़ी डॉ. वंदना पाठक किसी कारणवश कार्यक्रम में नहीं पहुंच सकी। इसको लेकर मंगलवार को आरोग्य दर्पण परिवार ने विश्वविद्यालय जाकर डॉ. वंदना पाठक को सम्मानित किया। इस दौरान आरोग्य दर्पण के सीईओ आरपी वर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा और मानव सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोग समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं और ऐसे कार्य नई पीढ़ी को दिशा देते हैं।

वरिष्ठ आयुवेर्दाचार्या डॉ वंदना पाठक को "हेल्थ एंड वेलनेस सेमिनार 2026 एवं मानवीय सेवा सम्मान" के तहत सम्मानित किया गया। पूर्व कार्यक्रम में अनुपस्थित रहने के कारण उन्हें विश्वविद्यालय परिसर में विशेष समारोह में सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। संस्था के सीईओ रामप्रकाश वर्मा और महासचिव देवेंद्र प्रताप सिंह ने सम्मान प्रदान किया। डॉ पाठक को स्वास्थ्य, शिक्षा व जनजागरूकता में योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया।

हीटवेव से राहत के लिए नगर निगम का एक्शन प्लान लागू, शहर में बढ़ाई गई सुविधाएं

कानपुर।
बढ़ती गर्मी और हीटवेव की स्थिति को देखते हुए नगर निगम द्वारा 'सिटी हीट एक्शन प्लान' के तहत शहर में राहत कार्य तेज किए गए हैं। लोगों को पेयजल, छांव और गर्मी से बचाव की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार व्यवस्थाएं की जा रही हैं। यह बातें मंगलवार को नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने कहीं।

शहर में लगातार बढ़ रहे तापमान और लू के प्रभाव को देखते हुए नगर निगम ने राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और जिला प्रशासन के निर्देश पर शहर में व्यापक स्तर पर कार्यवाही शुरू कर दी है। नगर निगम द्वारा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, अस्पतालों, प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त जल टैंकर लगाए गए हैं। वर्तमान में शहर में 16 अतिरिक्त जल टैंकर संचालित किए जा रहे हैं, जिनसे प्रतिदिन हजारों लोगों को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर वाटर कूलर और प्याऊ की भी व्यवस्था की गई है।

गर्मी से राहत दिलाने के लिए नगर निगम द्वारा 18 वाटर स्प्रिंकलर और छह एंटी-स्मॉग गनों के माध्यम से प्रमुख बाजारों, मुख्य मार्गों और व्यस्त चौराहों पर नियमित जल छिड़काव कराया जा रहा है। इससे राहगीरों और स्थानीय लोगों को गर्मी से राहत मिल रही है। नगर निगम ने शहर में संचालित इंडिया मार्क-क्क हैंडपंपों की मरम्मत का अभियान भी तेज कर दिया है।

हत्या मामले में तीन भाइयों को उम्रकैद

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के थाना मुस्करा के शिवनी डेरा गांव में करीब तीन साल पहले खेत में युवक को घेरकर हत्या करने के मामले की अपर सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार राय की अदालत में आज मंगलवार को सुनवाई हुई। अदालत ने हत्या में शामिल तीन सगे भाइयों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 10-10 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है।

डीजीसी क्रिमिनल राजेश कुमार शुक्ला ने बताया कि शिवनी डेरा में पिछले तीन अक्टूबर 2023 को मदनपाल यादव की हत्या उसी के खेत में कर दी गई थी। इस मामले में मृतक के भाई देवेंद्र ने स्व राधाचरण के पुत्रों ज्ञान सिंह, आदेश उर्फ अवधेश व रणधीर उर्फ उगरेश के खिलाफ हत्या करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। हत्याकांड के पीछे दोनों पक्षों में पुरानी रंजिश थी। जिसमें एक मुकदमे में मदनपाल जेल भी गया था।

भीषण आग लगने से लाखों का नुकसान

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में मौदहा कस्बे के सबसे व्यस्त इलाके में स्थित एक सरार्फा व्यवसायी के घर मंगलवार को भीषण आग लगने से हड़कम्प मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया जिससे लाखों के नुकसान का अनुमान है। प्रारम्भिक जांच में आग लगने का कारण विद्युत शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हादसे में लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया, हालांकि गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार मुख्य बाजार स्थित वार्ड नंबर 25 में आनंद सोनी के मकान में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। मकान से उठती आग की लपटें और धुएं को देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और परिवार के साथ मिलकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। सूचना मिलने पर अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

जोधपुर-गोरखपुर-ंजोधपुर के संचालन फेरों में विस्तार

मुरादाबाद।
ग्रीष्मकाल को ध्यान मे रखते हुए यात्रियों के सुगम आवागमन हेतु गाड़ी संख्या 04829/04830 जोधपुर-गोरखपुर-ंजोधपुर के संचालन फेरों में सारणी अनुसार विस्तार किया गया है एवं गाड़ी की समय सारणी में भी संशोधन किया गया है।

उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने मंगलवार शाम को बताया कि ट्रेन संख्या 04829 जोधपुर गोरखपुर स्पेशल 21 मई से 9 जुलाई तक चलाई जाएगी। पहले यह बीती 26 मार्च तक चली थी। ट्रेन संख्या 04830 गोरखपुर जोधपुर स्पेशल 22 मई से 10 जुलाई तक चलाई जाएगी। यह ट्रेन पूर्व में 27 मार्च तक चली थी। दोनों ट्रेनें कुल 8-8 फेरे लगाएंगी।

सीनियर डीसीएम ने आगे बताया ट्रेन संख्या 04829 जोधपुर गोरखपुर स्पेशल जोधपुर से शाम 4:15 पर चलेगी जो अगले दिन रात्रि 8:50 पर गोरखपुर पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 04830 इस गोरखपुर जोधपुर स्पेशल गोरखपुर से रात्रि 11:25 पर चलेगी जो दो दिन बाद सुबह 5:30 पर जोधपुर पहुंचेगी।

मारपीट में महिला की इलाज के दौरान मौत

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में मझगवां थाना क्षेत्र के जराखर गांव में पड़ोसी से हुए विवाद में घायल महिला की इलाज के दौरान झांसी में मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस मंगलवार को मामले की जांच में जुटी है।

जराखर गांव निवासी मोहित अहिरवार ने बताया कि उसके पिता का मंगल अहिरवार का पड़ोसी से कहासुनी हो गई थी। जिसमें बीच बचाव करने आईं उसकी मां 40 वर्षीय संतोषी को युवक ने सिर पर लाठी मार घायल कर दिया था। स्वजन उन्हें पहले निजी अस्पताल ले गए। जहां से हालत गंभीर होने पर झांसी रेफर किया गया। इलाज के दौरान मां की मौत हो गई। मृतक के पुत्र ने बताया कि मां के सिर में गंभीर चोटें आई थीं।

अमेठी: देर रात हुई सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

अमेठी।
उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के जामो थाना क्षेत्र अंतर्गत मंगलवार की देर रात सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जामो थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सभा गौरा का रहने वाला अजय कुमार (24)पुत्र राज बहादुर पासी देर रात बाजार से घर जा रहा था तभी पूरब गौरा के कटारी मोड़ के पास तेज रफ्तार होने के चलते युवक की बाइक अनियंत्रित होकर विद्युत पोल से टकरा गई।

ग्राम सभा की भूमि पर कब्जे का आरोप, ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

देवरिया।
उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले की सलेमपुर तहसील के ग्राम पिपरा मिश्र में ग्राम सभा की बंजर भूमि पर अवैध कब्जा और सार्वजनिक रास्ता बंद किए जाने के विरोध में मंगलवार को ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पिपरा मिश्र की गाटा संख्या 325 और 333L राजस्व अभिलेखों में बंजर भूमि के रूप में दर्ज हैं। इसके बावजूद कुछ लोगों ने भूमि पर अवैध रूप से बाउंड्री बनाकर कब्जा किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2024 में जिलाधिकारी के निर्देश पर लेखपाल और राजस्व निरीक्षक ने भूमि की पैमाइश की थी, जिसमें एक हिस्से पर अवैध बाउंड्री पाए जाने की पुष्टि हुई थी। इसके बाद तहसीलदार न्यायालय में धारा 67(1) के तहत वाद विचाराधीन है। आरोप है कि अब उसी भूमि के खाली हिस्से पर दोबारा बाउंड्री निर्माण कराया जा रहा है, जिससे सार्वजनिक रास्ता भी प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल निर्माण कार्य रुकवाने और ग्राम सभा की भूमि को कब्जा मुक्त कराने की मांग की है।

सुलतानपुर :पचीस हजार का इनामी गौ तस्कर पुलिस मुठभेड़ मे घायल

सुलतानपुर।
उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के थाना जयसिंहपुर क्षेत्रान्तर्गत पुलिस मुठभेड़ मे पचीस हजार रुपये के इनामी गौतस्कर घायल हो गया है। घायलावस्था में उसे इलाज हेतु अस्पताल मे भर्ती कराया गया है।

अपर पुलिस अधीक्षक बृजनंदन सिंह ने बुधवार को बताया कि बीती रात्रि थाना जयसिंहपुर की पुलिस अंबेडकर नगर से सेमरी रोड पर हालापुर के पास बैरियर लगाकर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी। चेकिंग करने के दौरान ही एक ट्रक अत्यंत तीव्र गति से आई और बैरियर पर नहीं रुकी और आगे बढ़ गई। संदिग्ध होने पर उस ट्रक का पुलिस ने पीछा किया। कुछ दूर आगे जाने पर, ट्रक में बैठे व्यक्ति ने पुलिस टीम पर फायर किया। आत्मरक्षार्थ पुलिस टीम ने भी फायर किया, जिसमें वह व्यक्ति घायल हो गया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम विनोद यादव, पुत्र राजनारायण यादव, निवासी ग्राम ख्वाजा पुर, थाना खुटहन, जनपद जौनपुर बताया। उसके ऊपर कुल पांच मुकदमे हैं, जिसमें से तीन गौकशी के मुकदमे हैं और वह गैंगस्टर एक्ट के मुलजिम भी है। उसके ऊपर पूर्व में 25 हजार का इनाम घोषित है।

विगत कुछ दिवस पूर्व थाना जयसिंहपुर में गौकशी की घटना में भी उसकी संलिप्तता प्रकाश में आई है। पुलिस की पूछताछ मे स्वीकार किया गया है कि ट्रक का प्रयोग वह गौकशी की घटनाओं में भी करता था। उसके पास से एक तमंचा .315 बोर का और एक जिंदा कारतूस भी मिला है। इलाज के लिए उसको सौ बेड हॉस्पिटल बीरसिंहपुर भेजा गया है, जहाँ पर उसका इलाज किया जा रहा है।

निमार्णाधीन अदाणी पावर प्लांट में कर्मचारी का शव फंदे से लटका मिला

मीरजापुर।
उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में मड़िहान थाना क्षेत्र स्थित ददरी जंगल में निमार्णाधीन अडानी पावर प्लांट परिसर में मंगलवार रात एक कर्मचारी का शव फांसी के फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

बताया गया कि पश्चिम बंगाल निवासी 35 वर्षीय युवक निमार्णाधीन पावर प्लांट में कार्यरत था। वह रोजी-रोटी के लिए परिवार से दूर मीरजापुर में रहकर नौकरी कर रहा था। मंगलवार शाम तक वह अपने साथियों के साथ सामान्य रूप से काम करता देखा गया, लेकिन देर रात उसका शव फंदे से लटका मिला। घटना सामने आते ही साथी कर्मचारियों में चीख-पुकार मच गई और परिसर में मातम जैसा माहौल हो गया।

सूचना मिलने पर मड़िहान पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर कंपनी की एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़िहान भेजा, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए घटनास्थल का निरीक्षण किया और कर्मचारियों से पूछताछ शुरू की।

पत्रकारिता में डिप्लोमा करने वाले छात्र एक वर्ष में पूरी कर सकते हैं मास्टर डिग्री : डॉ दिवाकर अवस्थी

कानपुर।
पत्रकारिता एवं जनसंचार के क्षेत्र में तेजी से बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए विश्वविद्यालय में लेटरल इंट्री व्यवस्था शुरू की गई है, जिससे पत्रकारिता में डिप्लोमा कर चुके विद्यार्थी केवल एक वर्ष में मास्टर डिग्री पूरी कर सकते हैं। यह बातें मंगलवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ दिवाकर अवस्थी ने कहीं।

सीएसजेएमयू के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में मिशन एडमिशन 2026-27 के तहत पीजी लेटरल इंट्री कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जहां पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए यह विशेष सुविधा संचालित की जा रही है। इसके तहत पत्रकारिता में डिप्लोमा कर चुके विद्यार्थियों को सीधे पीजी के दूसरे वर्ष में प्रवेश दिया जाता है, जिससे वे केवल एक वर्ष में मास्टर डिग्री प्राप्त कर सकते हैं। विभाग में इस कोर्स की कुल 10 सीटें निर्धारित हैं तथा फीस 42,200 रुपये रखी गई है।

डॉ दिवाकर अवस्थी ने बताया कि नई शिक्षा नीति के तहत कौशल आधारित और व्यावहारिक शिक्षा पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य से लेटरल इंट्री जैसे कोर्स विद्यार्थियों को लचीला और रोजगारपरक शिक्षा मॉडल उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया इंडस्ट्री में आज डिग्री के साथ व्यावहारिक अनुभव को भी काफी महत्व दिया जा रहा है। विभाग में विद्यार्थियों को आधुनिक मीडिया लैब, कैमरा प्रशिक्षण, वीडियो एडिटिंग, रेडियो प्रोडक्शन और डिजिटल कंटेंट निर्माण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं, जिससे उन्हें व्यावहारिक प्रशिक्षण मिल सके।

विभाग में समय-समय पर कार्यशालाएं, सेमिनार और मीडिया विशेषज्ञों के व्याख्यान भी आयोजित किए जाते हैं। विभाग के हजारों पूर्व छात्र देश के विभिन्न समाचार संस्थानों, टीवी चैनलों और डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कार्यरत हैं। विभाग के प्रवेश समन्वयक डॉ ओमशंकर गुप्ता के अनुसार पत्रकारिता में डिप्लोमा कर चुके विद्यार्थियों को निर्धारित पात्रता के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। पीजी डिप्लोमा यूजीसी से मान्यता प्राप्त संस्थान से होना अनिवार्य है।

मीडिया विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल मीडिया, न्यूज पोर्टल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और यूट्यूब चैनलों के विस्तार से पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर तेजी से बढ़े हैं। विभाग में बीए जेएमसी, एम जेएमसी, एमए एफएम और पीजीडीजेएमसी जैसे अन्य कोर्स भी संचालित किए जा रहे हैं।

जापान की अर्थव्यवस्था में पहली तिमाही में 2.1 फीसदी की वार्षिक वृद्धि

पश्चिमी एशिया संघर्ष और ऊर्जा कीमतों की बढ़ोतरी के बावजूद दिखी मजबूती

तोक्यो ।

जापान की अर्थव्यवस्था ने जनवरी-मार्च तिमाही में 2.1 प्रतिशत की वार्षिक दर से मजबूत वृद्धि दर्ज की है। पश्चिमी एशिया संघर्ष के कारण बढ़ती ऊर्जा कीमतों के चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद यह लगातार दूसरी तिमाही की वृद्धि देश की आर्थिक मजबूती को दर्शाती है। मंत्रिमंडल कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार इस बेहतर परिणाम का श्रेय मुख्य रूप से उपभोक्ताओं और व्यवसायों द्वारा बढ़ाए गए खर्च को जाता है। पिछले तिमाही के मुकाबले वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 0.5 प्रतिशत की बढ़त हुई। निजी उपभोग में तिमाही आधार पर 0.3 प्रतिशत और सार्वजनिक मांग में भी 0.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान निर्यात में 1.7 प्रतिशत और आयात में 0.5 प्रतिशत की बढ़त हुई। प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने भविष्य में इस विकास दर को बनाए रखने के लिए पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने का वादा किया है, जिसके लिए सरकारी खर्च में और बढ़ोतरी की आवश्यकता हो सकती है।

अमेरिकी न्याय विभाग से अडानी को बड़ी राहत, आपराधिक मामले बंद

न्यूयॉर्क में चल रहे सिक्योरिटीज और वायर फ्रॉड के मामले को अदालत ने खारिज किए

नई दिल्ली ।

अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) ने गौतम अडानी और अडानी ग्रुप को बड़ी राहत देते हुए उनके खिलाफ चल रहे सभी आपराधिक मामलों को हमेशा के लिए बंद कर दिया है। न्यूयॉर्क में चल रहे सिक्योरिटीज और वायर फ्रॉड के मामले को अदालत ने पूरी तरह से खारिज कर दिया। यह फैसला अडानी ग्रुप से जुड़े अमेरिका के कई प्रमुख कानूनी और नियामक मामलों का पटाक्षेप करता है, जिससे समूह को बड़ी राहत मिली है। यह फैसला उन आरोपों के बाद आया है, जिसमें अमेरिकी एजेंसियों ने अडानी ग्रुप पर भारत में सौर परियोजनाओं के लिए कथित रिश्वत योजना और अमेरिकी निवेशकों से जानकारी छिपाने का आरोप लगाया था। समूह ने इन आरोपों को हमेशा बेबुनियाद बताया था। अमेरिकी अदालत में दाखिल दस्तावेजों में, न्याय विभाग ने आगे संसाधन खर्च न करने की बात कही, जिसके बाद अदालत ने मामले को`` विथ प्रेजू डिसीज खारिज कर दिया, यानी इसे भविष्य में दोबारा नहीं खोला जा सकेगा। जांच में, अभियोजकों को आरोपों के पर्याप्त सबूत या स्पष्ट अमेरिकी कनेक्शन नहीं मिले, जिसके बाद डीओजे ने केस वापस लिया। अडानी के वकीलों ने अदालत में मजबूत कानूनी दलीलें दी थीं। हाल ही में अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन ने भी गौतम अडानी और सागर अडानी के साथ सिविल सेटलमेंट किया था, जिसमें उन्होंने बिना गलती स्वीकार किए भुगतान पर सहमति जताई। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की ओफेक एजेंसी ने भी ईरान से एलपीजी आयात से जुड़े प्रतिबंध उल्लंघन मामले को अडानी ग्रुप के 27.5 करोड़ डॉलर के भुगतान और सहयोग के वादे के साथ निपटाया था। कानूनी विशेषज्ञों और अडानी के वकीलों ने अमेरिकी कानूनों को भारतीय लेनदेन पर लागू करने के प्रयासों पर सवाल उठाए थे, यह तर्क देते हुए कि बॉन्ड्स अमेरिकी एक्सचेंजों पर ट्रेड नहीं होते थे और निवेशकों को कोई नुकसान नहीं हुआ। इस पूरे घटनाक्रम के बाद, अडानी ग्रुप को मिली यह कानूनी और कारोबारी राहत उसके वैश्विक विस्तार योजनाओं और निवेशकों के भरोसे को मजबूती प्रदान कर सकती है।

बैंकों की बंपर कमाई फिर भी कमजोर मूल्यांकन, बैंक निफ्टी में रिकॉर्ड गिरावट

निफ्टी 50 के मुकाबले बैंक निफ्टी 43.5 फीसदी कम मूल्यांकन पर

नई दिल्ली ।

बाजार के मौजूदा हालात में बैंकिंग क्षेत्र की वृद्धि और कमाई निवेशकों को चिंतित कर रही है। बेंचमार्क निफ्टी 50 सूचकांक के मुकाबले बैंक निफ्टी का मूल्यांकन रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया है, जो 2015 के बाद सबसे बड़ा अंतर है। यह तब हो रहा है जब बैंकिंग क्षेत्र ने बीते कुछ वर्षों में कॉर्पोरेट आय वृद्धि में अहम योगदान दिया है। बैंक निफ्टी वर्तमान में निफ्टी 50 की तुलना में 43.5 फीसदी कम मूल्यांकन पर कारोबार कर रहा है। इसका प्राइस-टु-बुक अनुपात 1.83 है, जबकि निफ्टी 50 का 3.25। खास बात यह है कि पिछले पांच वर्षों में बैंक निफ्टी की प्रति शेयर आय (ईपीएस) में 172 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि हुई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 114 , निफ्टी 31 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला पर बाजार बंद होने से कुछ ही समय पहले इसमें गिरावट आने लगी । अंतिम घंटे में बैंक, वित्तीय और धातु शेयरों में गिरावट से बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 114.19 अंक टूटकर 75,200.85 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 31.95 अंक फिसलकर 23,618 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। कोटक महिंद्रा के अलावा टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, सन फार्मा, अडानी पोर्ट्स, इंडिगो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और रिलायंस के शेयरों भी गिरावट रही जबकि इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टीसीएस के शेयर उछले। निफ्टी पर टाइटन कंपनी, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स में सबसे ज्यादा गिरावट रही। ब्रॉडर मार्केट्स में निफ्टी मिडकैप में 0.91 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 1.17 फीसदी बढ़त रही। वहीं निफ्टी प्राइवेट बैंक में सबसे ज्यादा गिरावट आई। निफ्टी बैंक और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर भी गिरे। निफ्टी आईटी, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी केमिकल में भी तेजी रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह निफ्टी 87 अंक की बढ़त के साथ 23,726.6 के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह, सेंसेक्स भी 320.09 अंक की तेजी के साथ 75,651.53 पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि अन्य पश्चिम एशियाई देशों के अनुरोध के बाद एक प्रस्तावित सैन्य कार्रवाई को रोक दिया गया है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि क्षेत्र में ऐसा समझौता संभव है ।

आईओसी का चौथी तिमाही में मुनाफा 56 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली ।

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसी) का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 56 प्रतिशत बढ़कर 11,377.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईओसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चौथी में उसका एकल आधार पर मुनाफा बढ़कर 11,377.51 करोड़ रुपये हो गया, जो 2024-25 की समान तिमाही में 7,264.85 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि इस तिमाही में उसे पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस एलपीजी को लागत से कम कीमत पर बेचने के कारण भारी नुकसान हुआ, लेकिन इसके बावजूद उसने मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का मुनाफा 36,802.42 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 12,961.57 करोड़ रुपये था।

ईरान पर अमेरिकी हमला टलते ही कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर हमला टालने की घोषणा से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स मंगलवार को 2.55फीसदी गिरकर 109.194 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड भी 1.91फीसदी टूटकर 102 डॉलर प्रति बैरल हो गया। सोमवार को यूएई के एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हुए ड्रोन हमले के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमत दो सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। अब क्रूड की कीमतों में आई गिरावट भारत समेत दुनिया के लिए बड़ी राहत है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप ने बताया कि यह हमला पूरी तरह तय था, लेकिन मिडिल ईस्ट के तीन सबसे शक्तिशाली और बड़े नेताओं के सीधे हस्तक्षेप और व्यक्तिगत अनुरोध के बाद उन्होंने अमेरिकी सेना को हमले रोकने के निर्देश दिए हैं। तेल बाजार इस समय अमेरिका और ईरान के तनाव पर सबसे ज्यादा प्रतिक्रिया दे रहा है। शांति समझौते की दिशा में थोड़ी सी प्रगति होने पर क्रूड के दाम गिर जाते हैं तो तनाव बढ़ने के संकेत मिलते ही ऊपर चढ़ जाते हैं। होर्मुज खुलेगा या नहीं, यह इसी समझौते पर निर्भर है। ईरान ने अमेरिका और इज़राइल द्वारा 28 फरवरी से शुरू किए गए हमलों के जवाब में रणनीतिक महत्व वाले इस जलमार्ग को प्रभावी रूप से बंद कर दिया है। दुनिया के करीब पांचवें हिस्से का तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस इसी संकरे समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने रूसी समुद्री तेल पर लागू प्रतिबंधों में दी गई अस्थायी छूट को 30 दिन के लिए आगे बढ़ाने का फैसला किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कई देशों ने अमेरिका से आग्रह किया था कि उन्हें रूसी तेल खरीद जारी रखने के लिए थोड़ा और समय दिया जाए। अमेरिका ने पहले यह छूट मार्च में दी थी ताकि वैश्विक बाजार में तेल की कमी और कीमतों में अचानक आई तेजी को नियंत्रित किया जा सके।

प्रवर्तकों के पूंजी निवेश से मजबूत हुआ वीआई का इरादा, जल्द बैंक कर्ज मिलने की उम्मीद

35,000 करोड़ रुपये की फंडिंग के लिए बैंकों से बातचीत अंतिम दौर में

नई दिल्ली ।

देश की तीसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) का शीर्ष प्रबंधन बैंकों से 35,000 करोड़ रुपए का कर्ज हासिल करने को लेकर आश्वस्त है। कंपनी के प्रवर्तकों द्वारा इक्विटी डालने के फैसले और 5जी नेटवर्क के विस्तार की महत्वाकांक्षी योजना ने इस विश्वास को और मजबूत किया है। कंपनी जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के नतीजे घोषित करने के बाद अपनी रणनीति पर खुलकर बात की। वोडाफोन आइडिया के मुख्य कार्य अधिकारी अभिजित किशोर ने बताया कि कंपनी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले बैंकों के समूह, जिसमें सार्वजनिक, निजी और विदेशी बैंक शामिल हैं, के साथ 35,000 करोड़ रुपए जुटाने के लिए लगातार बातचीत कर रही है। इसमें 25,000 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता और 10,000 करोड़ रुपए की गैर-वित्तीय सहायता या ऋण सुविधा शामिल होगी। किशोर ने बातचीत पूरी होने की कोई निश्चित समय-सीमा नहीं बताई, लेकिन जल्द सफल होने का भरोसा जताया। यह भरोसा ऐसे समय में आया है जब आदित्य बिड़ला समूह ने तरजीही निर्गम के जरिये वीआई में 4,730 करोड़ रुपए का निवेश करने का निर्णय लिया है। इसमें सिंगापुर की कंपनी सूर्यजा इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड को वारंट जारी किए जाएंगे, जिसकी लगभग 25 फीसदी रकम तुरंत चुकाई जाएगी और शेष 18 महीनों में। इस निवेश से प्रवर्तकों की हिस्सेदारी 3.82 फीसदी बढ़ जाएगी। गौरतलब है कि कुमार मंगलम बिड़ला को इसी महीने वोडाफोन आइडिया का गैर-

कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वीआई अगले तीन वर्षों में 5जी नेटवर्क शुरू करने और अपनी बाजार स्थिति मजबूत करने के लिए 45,000 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय करने की योजना बना रही है।

कंपनी का लक्ष्य दो अंकों में आय वृद्धि, परिचालन मुनाफे को तीन गुना करना और ग्राहकों को लगातार जोड़ते रहना है। अभिजित किशोर ने निदेशक मंडल में किसी भी तरह के बदलाव की संभावना को खारिज करते हुए कहा कि ये कदम प्रवर्तक समूह के दीर्घकालिक समर्थन को दर्शाते हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी को पिछले साल दिसंबर में संशोधित आकस्मिक देनदारी समायोजन तंत्र (क्लैम) समझौते के तहत वोडाफोन पीएलसी से 5,836 करोड़ रुपए भी मिलेंगे, जिसकी मूल संधि 2017 में विलय के दौरान हुई थी।

अदाणी मामला सुलझने से भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों को मिलेगा बल यूएसआईएसपीएफ

रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा, बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी

वॉशिंगटन ।

अदाणी एंटरप्राइज से जुड़े कानूनी विवाद के अमेरिकी न्याय मंत्रालय के साथ निपटारे से भारत-अमेरिका की मजबूत आर्थिक साझेदारी में आ रही एक बड़ी बाधा समाप्त हो गई है। यूएसआईएसपीएफ (अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच) ने इस समाधान का स्वागत करते हुए कहा कि इससे द्विपक्षीय संबंधों को नई गति मिलेगी। समूह ने ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के उल्लंघन के आरोपों के निपटारे के लिए 27.5 करोड़ डॉलर का भुगतान करने पर सहमति जताई है, जिसके बाद उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के खिलाफ सभी आपराधिक आरोप स्थायी रूप से वापस ले लिए गए हैं।

यूएसआईएसपीएफ ने कहा कि अदाणी एंटरप्राइज का अमेरिका में 10 अरब डॉलर निवेश करने का संकल्प राजदूत सर्जियो गोर की उस हालिया घोषणा पर आधारित है, जिसमें उन्होंने बताया था कि भारतीय कंपनियां अमेरिका में विभिन्न क्षेत्रों में 20.5 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करने की योजना बना रही हैं। यूएसआईएसपीएफ का मानना है कि ये निवेश अमेरिका में मजबूत भागीदार बनने की भारतीय कंपनियों की इच्छा को दर्शाते हैं। इससे मौजूदा सहयोग को बल मिलेगा, रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा, बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और दीर्घकालिक द्विपक्षीय आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति

नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने भी जांच में अदाणी समूह के व्यापक सहयोग और सक्रिय रूप से जानकारी साझा करने की सराहना की। इस निपटारे से न्यूयॉर्क में चल रहा प्रतिभूति और वायर धोखाधड़ी का चर्चित मामला पूरी तरह समाप्त हो गया है।

भीषण गर्मी से रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची बिजली की मांग

विद्युत मंत्रालय ने गर्मी में 270 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान लगाया

नई दिल्ली । देश में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है, जिसके चलते बिजली की मांग ने सोमवार को सर्वकालिक उच्च स्तर छू लिया। एयर कंडीशनर और डेजर्ट कूलर जैसे शीतलन उपकरणों के व्यापक उपयोग के कारण अधिकतम बिजली मांग 257.37 गीगावाट दर्ज की गई, जो पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। विद्युत मंत्रालय ने हालांकि पुष्टि की है कि इस पूरी मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। विद्युत मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार सोमवार को दोपहर 3 बजे के बाद यह रिकॉर्ड मांग दर्ज की गई, जो 256.11 गीगावाट के पिछले उच्च स्तर से अधिक है। मंत्रालय का अनुमान है कि इस गर्मी में देश की अधिकतम बिजली मांग 270 गीगावाट तक पहुंच सकती है। इस बीच, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के बड़े हिस्सों में लू चलने का अनुमान लगाया है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली में 24 मई तक लू की आशंका है, जबकि उत्तर प्रदेश में भीषण लू की स्थिति बन सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती गर्मी और घरेलू व व्यावसायिक उपभोक्ताओं द्वारा शीतलन उपकरणों के बढ़ते उपयोग से बिजली की मांग एवं खपत आगे भी बढ़ सकती है। आईएमडी ने इस वर्ष भीषण गर्मी रहने का अनुमान जताया है।

देश का खाद्य तेल आयात 2025-26 में तीन प्रतिशत बढ़ा उद्योग निकाय

एसएएफटीए समझौते के तहत नेपाल से 113 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का खाद्य तेल आयात तीन प्रतिशत बढ़कर 166.51 लाख टन तक पहुंच गया है। उद्योग निकाय सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने बताया कि नेपाल से शुल्क-मुक्त आयात में हुई भारी वृद्धि इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण रही, जिसने पिछले वर्ष के 161.82 लाख टन के आंकड़े को पार कर लिया। एसईए के अनुसार दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र (एसएएफटीए) के तहत शून्य-शुल्क पहुंच का लाभ उठाते हुए नेपाल ने इस अवधि में भारत को 7.36 लाख टन खाद्य तेल निर्यात किया, जो वित्त वर्ष 2024-25 के 3.45 लाख टन से 113 प्रतिशत अधिक है। नेपाल से परिष्कृत सोयाबीन तेल का सबसे अधिक आयात हुआ, जिसने कुल आयात वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। संघ ने स्पष्ट किया कि यदि एसएएफटीए व्यवस्था न होती तो आयात पिछले स्तर से कम रह सकता था। भारत अब भी अपनी खाद्य तेल आवश्यकता का लगभग 60 प्रतिशत आयात पर निर्भर है। तिलहन की कम पैदावार, खंडित

भूमि जोत, सीमित सिंचाई और गेहूं-चावल केंद्रित कृषि नीति घरेलू उत्पादन में बाधा डाल रही है। एसईए ने दीर्घकालिक आयात निर्भरता घटाने के लिए तिलहन उत्पादकता बढ़ाने और घरेलू मूल्य संवर्धन को प्रोत्साहित करने के उपाय सुझाए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खाद्य तेल उपभोग को नियंत्रित करने की हालिया अपील का जिक्र करते हुए एसईए ने कहा कि घरेलू उत्पादन वृद्धि और अत्यधिक उपयोग पर नियंत्रण से आयात निर्भरता कम होगी तथा विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव घटेगा।

सरकार ने मंदिर के सोने के मुद्रीकरण की अफवाहों को खारिज किया

वित्त मंत्रालय ने कहा- नागरिकों से केवल आधिकारिक सूचना पर भरोसा करने की अपील

नई दिल्ली।

सरकार ने देशभर के मंदिरों के पास रखे सोने के मुद्रीकरण को लेकर चल रही अफवाहों और अटकलों को मंगलवार को सिरे से खारिज कर दिया है।

वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि ऐसी खबरें पूरी तरह झूठी, भ्रामक और निराधार हैं। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि मंदिरों के शिखरों या दरवाजों पर लगे सोने को भारत के सामरिक स्वर्ण भंडार के रूप में मानने के दावे भी झूठे और निराधार हैं। सरकार ने नागरिकों से ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करने और उन्हें न फैलाने की अपील की है, क्योंकि इससे अनावश्यक भ्रम फैलता है। मंत्रालय ने ज़ोर देकर कहा कि

सभी महत्वपूर्ण जानकारी केवल आधिकारिक माध्यमों जैसे प्रेस विज्ञप्तियों और सरकारी वेबसाइटों के माध्यम से ही जारी की जाएगी, इसलिए केवल उन्हीं पर भरोसा किया जाए।

बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा का मजबूत सहारा, पोस्ट ऑफिस की सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम

सरकार समर्थित इस योजना में 8.2 फीसदी तक ब्याज और हर तिमाही मिलती है निश्चित आय

नई दिल्ली ।

रिटायरमेंट के बाद वित्तीय सुरक्षा हर व्यक्ति की प्राथमिकता होती है। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए पोस्ट ऑफिस की सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम (एससीएसएस) एक बेहद भरोसेमंद और लोकप्रिय विकल्प बनकर उभरी है। यह योजना विशेष रूप से 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए डिज़ाइन की गई है, ताकि वे अपनी सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर रह सकें और नियमित आय का आनंद ले सकें। एससीएसएस को भारत सरकार द्वारा समर्थित किया जाता है, जिससे इसमें निवेश किया गया पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है और जोखिम लगभग शून्य हो जाता है। वर्तमान में, यह योजना सालाना 8.2 फीसदी की आकर्षक ब्याज दर प्रदान करती है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि एक बार निवेश करने के बाद यह ब्याज दर पूरी 5 साल की अवधि के लिए तय रहती है, भले ही भविष्य में बाजार दरों में उतार-चढ़ाव आए। ब्याज का भुगतान हर तीन महीने में सीधे निवेशक के खाते में किया जाता है, जिससे नियमित आय सुनिश्चित होती है। इस योजना में न्यूनतम 1,000 रुपए से निवेश शुरू किया जा सकता है। व्यक्तिगत खाते के लिए अधिकतम निवेश सीमा 15 लाख रुपए और जॉइंट खाते के लिए 30 लाख रुपए है। सामान्यतः 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के व्यक्ति इसमें खाता खोल सकते हैं, जबकि कुछ विशेष परिस्थितियों में 50 या 55 वर्ष से अधिक आयु के रिटायर्ड कर्मी भी पात्र होते हैं। योजना की अवधि 5 साल है, जिसे 3 साल के लिए और बढ़ाया जा सकता है। इसमें आयकर अधिनियम की धारा 80 सी के तहत 1.5 लाख रुपए तक की टैक्स छूट का लाभ भी मिलता है। जो लोग अधिकतम निवेश का विकल्प चुनते हैं, उन्हें इसका अच्छा फायदा मिलता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई वरिष्ठ नागरिक एससीएसएस में अधिकतम 30 लाख रुपए का निवेश करता है, तो 8.2 फीसदी सालाना ब्याज दर के हिसाब से उन्हें लगभग 2,46,000 रुपए प्रति वर्ष का ब्याज मिलता है। यह राशि तिमाही आधार पर लगभग 61,500 रुपए होती है, जिसका अर्थ है कि निवेशक को औसतन लगभग 20,500 रुपए प्रतिमाह की नियमित और निश्चित आय प्राप्त होती है। यह स्कीम बुढ़ापे में आर्थिक स्वतंत्रता और मन की शांति प्रदान करने का एक उत्कृष्ट माध्यम है।

वैश्विक तनाव से क्रिप्टो बाजार में खलबली, बिटकॉइन मई के निचले स्तर पर

ईरान-अमेरिका तनाव और ईटीएफ से निकासी का दिखा असर, एशियाई बाजारों में भी गिरावट

वाशिंगटन ।

अमेरिका और ईरान के बीच गहराते तनाव तथा वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने क्रिप्टो बाजार में भूचाल ला दिया। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन मई महीने के अपने सबसे निचले स्तर पर गिरकर 76,568 डॉलर पर आ गई, जिससे निवेशकों में चिंता बढ़ गई।

वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण सोमवार को बिटकॉइन ने मई महीने का अपना सबसे निचला स्तर छू लिया। 76,568 डॉलर तक गिरने के बाद, खबर लिखे जाने तक यह 1.42 फीसदी की गिरावट के साथ 77,256 डॉलर पर कारोबार कर रहा था।

एथेरियम और सोलाना जैसी प्रमुख डिजिटल संपत्तियों में भी तेज गिरावट दर्ज की गई, जबकि एशियाई बाजार खुलने के शुरुआती 15 मिनट में लगभग 50 करोड़ डॉलर के लॉन्ग पोजिशन खत्म हो गए। जार में यह गिरावट मुख्य रूप से अमेरिका-ईरान तनाव से पैदा हुई भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण आई।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के ईरान को चेतावनी भरे बयान और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर

बनी आशंकाओं ने निवेशकों को जोखिम वाले निवेश से दूर कर दिया। इसके साथ ही, स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ से पिछले सप्ताह 1 अरब डॉलर से अधिक की रिकॉर्ड निकासी ने भी बाजार पर दबाव बढ़ाया, जो जनवरी के बाद पहली बार हुआ है। कच्चे तेल की कीमतों में भी करीब 3 फीसदी की तेजी आई, और अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 111.86 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

विश्लेषकों के अनुसार बिटकॉइन के लिए 75,000-73,000 डॉलर का स्तर मजबूत सपोर्ट है, जबकि 77,000 डॉलर तत्काल रेजिस्टेंस माना जा रहा है। उन्होंने निवेशकों को अचानक आने वाली तेजी के पीछे भागने के बजाय पोर्टफोलियो संतुलन और मजबूत बुनियादी आधार वाली संपत्तियों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी है। वैश्विक बाजारों पर भी इसका असर दिखा, जहां जापान का निक्केई 225 और हांग सेंग इंडेक्स लगभग 1 फीसदी गिरे।

मुम्बई को हराकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी केकेआर

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम बुधवार को यहां अपने घरेलू मैदान ईडन गार्डन में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज कर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखने उतरेगी। इस मैच में अगर केकेआर हारती है तो वह टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। आजिंक्य रहाणे की कप्तानी में उतरी केकेआर की राह आसान नहीं होगी क्योंकि मुम्बई की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है और अब वह बिना किसी दबाव के निडर होकर खेलेगी। मुम्बई इस मैच को जीतकर टूर्नामेंट का अपना सफर सम्मानजनक तरीके से समाप्त करना चाहेगी। उसके पास खोने को कुछ नहीं है, ऐसे में इस मैच में पूरा दबाव केकेआर पर रहेगा।

अगर इस मैच में केकेआर हार जाती है, तो रहाणे के नेतृत्व में लगातार दूसरे सत्र में वह प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायेगी हालांकि मुंबई के खिलाफ जीत भी केकेआर के लिए पर्याप्त नहीं होगी। प्लेऑफ के लिए उसे लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच होने वाले मैच के परिणाम पर भी नजर रखनी होगी। अगर पंजाब यह मैच जीत जाता है तो केकेआर प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी। ऐसे में वह चाहेगी कि सुपर जायंट्स ये मैच जीते।

केकेआर की बल्लेबाजी कप्तान रहाणे, फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी और कैमरन पर निर्भर है। एलन ने अपनी पिछली तीन पारियों में एक शतक और 93 रन की तूफानी पारी खेली है। अंगकृष और ग्रीन ने भी अच्छा खेला है। रिंकू सिंह ने अब तक मध्यक्रम को अच्छे तरीके से संभाला है। गेंदबाजी की जिम्मेदारी मथीशा पथिराना और वरुण चक्रवर्ती पर रहेगी। टीम के लिए हालांकि चिन्ता की बात वरुण की फिटनेस रहेगी। वरुण अगर इस मैच में नहीं खेलते तो ये टीम के लिए झटका होगा।

वहीं दूसरी ओर कप्तान हार्दिक पंड्या लीग के इस अंतिम मैच में जीत के साथ ही टीम का मनोबल बढ़ाना चाहेंगे। वह चोट के कारण पिछले तीन मैच नहीं खेल पाए थे पर उनके इस मैच में खेलने की पूरी संभावना है। हार्दिक का प्रदर्शन हालांकि अबतक गेंद और बल्ले से अच्छा नहीं रहा है। वह आठ पारियों में केवल 146 रन बना पाये हैं। गेंदबाज में केवल चार विकेट ले पाये हैं। बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भी अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और उनका भी लक्ष्य इस मैच में बड़ी पारी खेलना होगा। टीम की गेंदबाजी ट्रेंट बोल्ट, कार्बिन बॉश के पास रहेगी।

आंकड़ों पर नजर डाले तो अब तक दोनो के बीच 36 मैच हुए हैं। जिसमें से 25 मुम्बई और 11 केकेआर ने जीते हैं। कोलकाता ने पांच जीत और एक मैच का परिणाम नहीं निकलने के कारण 11 अंक हासिल किये हैं और वह अंकतालिका में आठवे नंबर पर है। वहीं मुम्बई ने चार मैच जीतकर आठ अंक हासिल किये हैं और वह नौवें स्थान पर है।

टीम इस प्रकार है

कोलकाता नाइट राइडर्स : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, वरुण चक्रवर्ती, सौरभ दुबे, कार्तिक त्यागी, इम्पैक्ट प्लेयर- मथीशा पथिराना

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान), रायन रिकेल्टन (विकेटकीपर), नमन धीर, तिलक वर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, विल जैक्स, कॉर्बिन बॉश, दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, रघु शर्मा, इम्पैक्ट प्लेयर- रोहित शर्मा

रैना को अगले साल भी धोनी के आईपीएल खेलने की उम्मीदें

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पांच बार खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी आईपीएल के 19 वें सत्र में आखिरकार पहली बार 18 मई को चेपॉक स्टेडियम में नजर आये। धोनी का आना प्रशंसकों और टीम के लिए एक भावुक पल रहा। धोनी इस सत्र में फिट नहीं होने से कारण अब तक बाहर थे। यह सीएसके का अपने घरेलू मैदान पर अंतिम मैच था, इसलिए ये भी कहा जाने लगा कि अब धोनी अगले सत्र में नहीं दिखेंगे। जिस प्रकार से धोनी ने टीम के अन्य खिलाड़ियों के साथ मैदान का चक्कर लगाकर अपने प्रशंसकों का अभिवादन किया। उससे भी इस बात को बल मिला कि उनकी आईपीएल से विदाई हो गयी है हालांकि सीएसके में उनके साथी रहे सुरेश रैना को ऐसा नहीं लगता। रैना के भरोसे की वजह ये है कि धोनी ने आधिकारिक तौर पर संन्यास की घोषणा नहीं की है। रैना अभी आईपीएल में कमेंट्री पैनल का हिस्सा हैं। उनकी और धोनी की एक साथ मौजूदगी ने सीएसके फैंस में जबरदस्त जोश भर दिया था। इसी दौरान, रैना ने धोनी के रिटायरमेंट को लेकर किए गए अपने संवाद का खुलासा किया। उन्होंने बताया, मैंने उनसे कहा कि आईपीएल 2024 केवल एक मिस्ड कॉल था, जिसे मैं नहीं गिनता। आपको अगले साल फिर से वापस आना होगा। रैना के अनुसार, धोनी ने जवाब में कहा, मेरा शरीर अब थोड़ा कमजोर पड़ रहा है। इस पर रैना ने कहा, हम सब इसमें विश्वास नहीं रखते हैं। आपको अगले साल खेलना ही होगा। रैना ने इस बातचीत को सकारात्मक बताया और कहा कि उन्हें लगा कि धोनी की तरफ से यह एक अच्छा संकेत था। उन्होंने आगे कहा कि पूरी टीम भी यही चाहती है कि वह अगले साल मैदान पर उतरें। रैना के के अनुसार ये करोड़ों सीएसके प्रशंसकों में नई उम्मीद जगा दी है, जो अपने चहेते कप्तान को एक और सत्र के लिए खेलते हुए देखना चाहते हैं। हालांकि धोनी ने खुद इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है

सीएसके के खिलाफ जीत के बाद आरसीबी, गुजरात के बाद सनराइजर्स भी प्लेऑफ में पहुंची

चेन्नई (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद ने यहां हुए आईपीएल 2026 के मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हराकर प्लेऑफ में जगह बना ली है। इस मैच में

सनराइजर्स हैदराबाद की जीत के साथ ही अंक तालिका में काफी बदलाव आया है। आरसीबी की टीम 18 अंकों के साथ पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में सफल रही है। वहीं गुजरात टाइटंस 16 अंकों के साथ क्वालीफाई कर लिया है और सनराइजर्स हैदराबाद भी 16 अंकों के साथ क्वालीफाई कर चुकी है। पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है और राजस्थान रॉयल्स 12 अंकों के साथ पांचवें नंबर पर है। वहीं, सीएसके की टीम के भी 12 अंक हैं और वह छठवें स्थान पर बनी हुई है। दिल्ली कैपिटल्स के भी अब 12 अंक हैं और वह सातवें स्थान पर है। वहीं केकेआर 11 अंकों के साथ आठवें नंबर पर है। अंक तालिका में पहले ही मुंबई इंडियंस बाहर हो गयी है और वह आठ अंकों के साथ नवे स्थान पर है, वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स भी 8 अंकों के साथ ही कम रन रेट के कारण दसवें स्थान पर है।

हेनरिक क्लासेन ऑरेंज कैप की रैस में नंबर वन बने

सीएसके के खिलाफ 47 रनों की पारी के साथ ही हेनरी क्लासेस कुल 555 रन बनाकर ऑरेंज कैप की रेस में नंबर ए पर पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की रेस में अभी भी भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर बने हुए हैं।

शुभमन की कप्तानी में अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली आगामी बहु-प्रारूपीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम के खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या, दोनों ही वनडे अंतरराष्ट्रीय (ओडी) टीम का हिस्सा हैं, लेकिन उनकी उपलब्धता सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से फिटनेस क्लीयरेंस मिलने पर निर्भर करेगी। केएल राहुल को टेस्ट टीम का नया उप-कप्तान बनाया गया है, जबकि ऋषभ पंत को विकेटकीपर की विशेष भूमिका सौंपी गई है।

हर्ष दुबे (विदर्भ) और गुरनूर बराड़ (पंजाब) को पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया है और दोनों ही पूरी श्रृंखला में खेलेंगे। मानव सुथार को भी टेस्ट टीम में जगह मिली है। वहीं, रवींद्र जडेजा को दोनों टीमों ने नजरअंदाज कर दिया है।

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने जडेजा की अनुपस्थिति पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि अनुभवी ऑलराउंडर को सिर्फ आराम दिया गया है, क्योंकि दुबे और सुथार जैसे युवा खिलाड़ियों को सीरीज में मौका मिलने की संभावना है।

यह सीरीज 6 जून से शुरू होगी, जो आईपीएल 2026 के समापन के एक सप्ताह से भी कम समय बाद है। अक्षर पटेल भी दोनों प्रारूपों की टीमों से बाहर हैं। अगरकर ने आगे कहा कि शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम युवाओं को मौका देना चाहती है, क्योंकि 2027 वनडे विश्व कप में अभी 15-16 महीने बाकी हैं। अगरकर ने चयन समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि बुमराह इंग्लैंड दौरे पर वापसी करेंगे। वह अपने कार्यभार प्रबंधन पर काम कर रहे हैं। स्पिन गेंदबाज मानव सुतार और तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को पहली बार टेस्ट टीम में चुना गया है। दोनों आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिये खेलते हैं। वनडे टीम में प्रिंस यादव को जगह मिली है।

टेस्ट टीम : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साइ सुदर्शन, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, नीतिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुतार, गुरनूर बरार, ध्रुव जुरेल और हर्ष दुबे।

वनडे टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, नीतिश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार और हर्ष दुबे।

वैभव को भारतीय टीम में जगह के लिए अपनी फील्डिंग सुधारनी होगी : कैफ

मुम्बई । राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे वैभव सूर्यवंशी ने इस आईपीएल सत्र में 400 से अधिक रन बनाकर अपने को एक बार फिर साबित किया है । आईपीएल के पहले भी अंडर-19 विश्व कप में वैभव ने धमाकेदार बल्लेबाजी की थी । ऐसे में वैभव को भारतीय टीम की शामिल करने की मांग जोर पकड़ती जा रही है । ये भी कहा जा रहा है कि वह अब पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार हैं । बड़े-बड़े छक्के लगाने में माहिर वैभव गेंदबाज का दबदबा नहीं देखते, बल्कि सिर्फ गेंद को देखकर अपने शॉट्स खेलते हैं । वहीं इसके बाद भी पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि वैभव अभी भारतीय टीम में जगह नहीं बना सकते । कैफ ने इसके पीछे का कारण भी बताया है । कैफ का मानना है कि भारतीय टीम के लिए लिए खेलने से पहले वैभव को अपनी फील्डिंग ठीक करनी होगी । कैफ का मानना है कि वैभव की फील्डिंगे कमजोर है हालांकि इसपर अधिक लोगों का ध्यान नहीं गया है । कैफ के अनुसार आईपीएल के इस सत्र के मैचों को देखा जाये तो वैभव फील्डिंग में सतर्क नहीं दिखे । इस युवा खिलाड़ी ने इस सत्र में एक भी कैच नहीं लिया है जबकि भारत के लिए खेलते हुए उसे मैदान पर अधिक तेज होना होगा ।

कोच फ्लेमिंग ने सीएसके की हार के लिए कप्तान रुतुराज को जिम्मेदार बताया

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लीग मैच में मिली हार पर निराशा जतायी है । इस हार से सीएसके के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं । सीएसके को अब केवल एक मैच खेलना है । फ्लेमिंग ने हार के लिए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार बताया है और कहा है कि वह उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये । बल्लेबाजी के दौरान वह रन नहीं बना पाये । उनकी कप्तानी भी अच्छी नहीं रही । सनराइजर्स के खिलाफ इस मैच में गायकवाड़ ने 21 गेंदों में केवल 15 रन बनाए । हैरानी की बात ये रही कि वह पारी शुरु करने के बाद भी एक भी चौका नहीं लगा पाये । किसी भी सलाकी बल्लेबाज से ऐसे प्रदर्शन की अपेक्षा नहीं की जाती । वहीं उनके जोड़ीदार संजू सैमसन ने 13 गेंदों में तेजी से 27 रन बनाये । इस पूरे सत्र में गायकवाड़ का प्रदर्शन लगभग ऐसा ही रहा है, जिसमें निरंतरता और आक्रामक रवैये की कमी साफ दिख रही है । मैच के बाद फ्लेमिंग से जब रुतुराज ने कहा कि कप्तान से इस प्रकार के खेल की उम्मीद नहीं की जाती । फ्लेमिंग ने कहा, मैं पावरप्ले से शुरुआत करूंगा । असल में, विकेट लेना सबसे जरूरी है । हां, मुझे लगता है कि रुतुराज और बेहतर कर सकते हैं । उन्होंने पहले भी इससे ज्यादा अच्छा प्रदर्शन किया है । वह शीर्ष क्रम पर एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं । उन्होंने साथ ही जोड़ा, उन्होंने इस सत्र में अपने करियर में जितनी तेजी से रन बनाए हैं, उतने रन इस सत्र में नहीं बनाए हैं । इस पर उन्हें ध्यान देना होगा । वहीं कोच ने माना है कि इस पिच पर बल्लेबाजी कठिन थी । फ्लेमिंग ने यह भी माना है कि 180 रनों का स्कोर ठीक था, क्योंकि पिच से गेंदबाजों को सहायता मिल रही थी । उन्होंने कहा, 180 का स्कोर बनाना बहुत कठिन था । स्पिन गेंदबाजी को लेकर उन्होंने कहा, मैंने उसे समझने में ज्यादा समय नहीं लगाया । उसमें ज्यादा टर्न नहीं था ।

आउट दिये जाने के बाद सैमसन को जश्न मनाता देख भड़के क्लासेन

चेन्नई । सनराइजर्स हैदराबाद ने यहां हुए आईपीएल के 63 वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हराकर प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ाया। इस रोमांचक मुकाबले में सनराइजर्स की जीत में ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन की अहम भूमिका रही। इन दोनो की शानदार पारियों से टीम ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया । इस मैच में आकर्षण का केन्द्र हेनरिक क्लासेन का विकेट रहा । क्लासेन आउट दिये जाने पर सीएसके के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को जश्न मनाता हुए देखकर नाराज हो गेय और उनकी सैमसन से तीखी बहस भी हुई । इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है । इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने 20 ओवरों में 180 रन बनाये । इससे के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने एक ओवर पहले ही लक्ष्य हासिल कर लिया । इस मैच के 15वें ओवर में सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन नूर अहमद की गेंद पर शॉट खेलने में असफल रहे । ऐसे में विकेटकीपर संजू सैमसन ने उन्हें स्टंप करने में कोई गलती नहीं की पर रीप्ले में दिखा कि क्लासेन का पैर पॉपिंग क्रीज के अंदर था पर जिस क्षण सैमसन ने बेल्स गिराई, उनका पैर हवा में था, जिसके कारण तीसरे अंपायर ने उन्हें आउट दे दिया। सैमसन ने क्लासेन को स्टंप करते ही जश्न मनाना शुरू कर दिया, जिससे क्लासेन भड़क गये । थर्ड अंपायर के फैसले के बाद जब क्लासेन पवेलियन लौट रहे थे, तो उन्होंने सैमसन की ओर कुछ कहा, जिस पर सैमसन ने भी उन्हें उसी अंदाज में जवाब दिया । यह देख मैदान पर माहौल तनावपूर्ण हो गया और अन्य खिलाड़ियों को मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा। इसके बाद क्लासेन पवेलियन लौट गये।

फीफा विश्वकप के लिए ब्राजील की 26 सदस्यीय टीम घोषित, नेमार भी शामिल

रियो डि जेनेरो (एजेंसी)। ब्राजील ने अगले माह होने वाले फीफा विश्वकप फुटबॉल के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। टीम में स्टार खिलाड़ी नेमार की वापसी हो गयी है। नेमार चोटिल होने के कारण पिछले काफी समय से टीम से बाहर थे, अब उनकी वापसी से प्रशंसकों को राहत मिली है। टीम के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने विश्वकप के लिए 26 सदस्यीय टीम की घोषणा करते हुए कहा कि नेमार की वापसी से टीम में उत्साह है।

नेमार के विश्वकप खेलने को लेकर अबतक संदेह जताया जा रहा था। नेमार ने आखिरी बार अक्टूबर 2023 में ब्राजील के लिए मुकाबला खेला था। उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में उन्हें गंभीर चोट लगी थी। जिसके बाद से ही वह खेल से बाहर थे। इस चोट से उबरने के बाद यह पहली बार है जब वह राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बने हैं। फिलहाल वह अपने क्लब सैंटोस एफसी के लिए खेल रहे हैं।

इस साल की शुरुआत में क्लब में वापसी के बाद उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में 38 मैचों में 17 गोल किए हैं, हालांकि चोटों के कारण उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ है।

टीम चयन के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्लो एंसेलोटी ने नेमार को टीम में शामिल करने के अपने फैसले को स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि नेमार को बैकअप खिलाड़ी के तौर पर नहीं चुना गया है, बल्कि टीम को उनकी गुणवत्ता और अनुभव की सख्त जरूरत है। एंसेलोटी ने जोर देकर कहा, नेमार चाहे 1 मिनट खेलें या 90 मिनट, सबसे जरूरी है कि वह टीम को क्या योगदान देते हैं। वह तभी खेलेंगे जब ट्रेनिंग और फिटनेस के आधार पर इसके अधिकारी होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि पूरे साल नेमार की फिटनेस पर बारीकी से नजर रखी गई और अब वह धीरे-धीरे बेहतर स्थिति में पहुंच रहे हैं।

जहां नेमार की वापसी ने प्रशंसकों को उत्साहित किया, वहीं कई बड़े खिलाड़ियों का टीम में जगह नहीं मिली है। अनुभवी डिफेंडर थियागो सिल्वा के साथ-साथ जोआओ पेड्रो और एंड्रे सैंटोस भी टीम से बाहर हैं। रॉड्रीगो और एस्टेवाओ चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं, ब्राजील की टीम विश्वकप में अपना पहला मुकाबला 13 जून को न्यू जर्सी में मोरक्को के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद टीम ग्रुप ष्ट में हैती और स्कॉटलैंड का सामना करेगी। नेमार की वापसी से उत्साहित टीम को लक्ष्य अब खिताब जीतना रहेगा।

महिला प्रीमियर लीग में टीम खरीदना चाहती है पंजाब किंग्स फैंचाइजी

नई दिल्ली । आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के सह-मालिक मोहित बर्मन अब महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में भी एक टीम खरीदना चाहते हैं । बर्मन का मानना है कि महिला क्रिकेट का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है और उनका समूह इसमें निवेश करना चाहता है । बर्मन की यह उम्मीद अभी शायद ही पूरी हो क्योंकि भारतीय बोर्ड अभी डब्ल्यूपीएल में टीमों की संख्या नहीं बढ़ा रहा है। पंजाब किंग्स में 48 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले बर्मन ने कहा कि महिला प्रीमियर लीग ने बहुत ही कम समय में महिला क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में अपनी पहचान बनायी है। उन्होंने माना है कि शुरुआत में महिला क्रिकेट में निवेश नहीं किया गया था पर अब वह इस लीग में हुए विकास से प्रभावित हैं। उनके अनुसार, महिला क्रिकेट की प्रगति असाधारण रही है और यह सिर्फ एक खेल नहीं बल्कि एक आंदोलन बन गया है। बर्मन ने कहा, व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि महिला क्रिकेट का भविष्य बेहद उज्ज्वल है और हम निश्चित रूप से एक महिला आईपीएल टीम खरीदना चाहेंगे। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पिछले साल पहली बार महिला एकदिवसीय विश्व कप जीता था जिसके बाद से ही महिला क्रिकेटरों को भी कई कंपनियों ने विज्ञापन दिये और ब्रांड एंबेसडर बनाया । अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में भी भारतीय टीम को प्रबल दावेदार माना जा रहा है । ये उपलब्धियाँ न केवल खेल में कई कंपनियों की रुचि बढ़ा रही हैं, बल्कि युवा लड़कियों के लिए महिला क्रिकेटरों को प्रमुख खेल हस्तियों और सक्षम पेशेवर खिलाड़ियों के रूप में देखने का अवसर भी प्रदान कर रही हैं । इससे खेल का भविष्य पूरी तरह बदल जाता है । वर्तमान में, डब्ल्यूपीएल में पाँच टीमें हैं, जिनमें से तीन मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स पहले से ही आईपीएल फेंचाइजी के स्वामित्व में हैं । पंजाब किंग्स जैसे बड़े ब्रांड का इसमें दिलचस्पी दिखाना भविष्य में लीग के संभावित विस्तार और महिला क्रिकेट के वैश्विक विकास के लिए शुभ संकेत माना जा सकता है । यह दर्शाता है कि महिला क्रिकेट सिर्फ खेल नहीं बल्कि एक आकर्षक निवेश अवसर भी बन गया है ।

चेल्सी के नए कोच बने पूर्व स्पेनिश फुटबॉलर ज़ाबी अलोंसो

लंदन । इंग्लैंड के चेल्सी एफसी क्लब ने स्पेन के पूर्व फुटबॉलर ज़ाबी अलोंसो को अपनी टीम का नया मुख्य कोच बनाया है । एक रिपोर्ट के अनुसार, 44 साल के मिडफील्डर अलोंसो के साथ क्लब ने चार साल का करार किया है इसकी आधिकारिक घोषणा अभी होनी है । जर्मनी के क्लब बायर लेवरकुसेन के कोच रहते अलोंसो तेजी से चर्चाओं में आये हैं । इसके बाद से ही वह यूरोप के शीर्ष युवा कोचों में शामिल किए जाते हैं, अब उनके सामने चेल्सी की प्रदर्शन को सुधारना एक नई चुनौती है । पिछले सप्ताह ही अलोंसो ने लंदन में चेल्सी के शीर्ष अधिकारियों के साथ अंतिम दौर की बातचीत की । इस दौरे के बाद ही दोनों पक्षों के बीच चार साल के अनुबंध पर सहमति बन पाई । गौरतलब है कि चेल्सी भी लंबे समय से एक स्थायी और प्रभावशाली कोच की तलाश में था, और अलोंसो को शुरू से ही उनकी पहली पसंद माना जा रहा था । गौरतल है कि अलोंसो कोच के तौर पर तेजी से ऊपर आये हैं । उन्होंने जर्मनी के क्लब बायर लेवरकुसेन को 2023-24 सीज़न में बुंडेसलीगा खिताब दिलाकर अपनी रणनीतिक क्षमता और नेतृत्व कौशल का प्रदर्शन किया था । इस ऐतिहासिक जीत ने उन्हें विश्व फुटबॉल में एक ऐसे कोच के रूप में स्थापित किया, जो युवा प्रतिभाओं को निखारने और टीम को एकजुट करने में माहिर है । लेवरकुसेन की सफलता के बाद, अलोंसो स्पेन के दिग्गज क्लब रियल मैड्रिड के साथ भी रहे । हालांकि, उनका यह रियल के साथ प्रदर्शन कार्यकाल अच्छा नहीं रहा । उन्हें रियल मैड्रिड के ड्रेसिंग रूम में अनुशासन और खिलाड़ियों के रवैये को लेकर कई समस्याएँ थीं । वहीं ये भी कहा जाता है कि अलोंसो की सख्त रणनीति और अनुशासन-केंद्रित दृष्टिकोण कुछ खिलाड़ियों को पसंद नहीं आया, जिसके कारण कुछ ही महीनों में दोनों पक्ष अलग हो गए ।

सिंधु बीडब्ल्यूएफ के 15-अंक के नये प्रारुप को लेकर खुश नहीं

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अगले साल से लागू होने वाले विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) बैडमिंटन के नए 15-अंक के प्रारुप को लेकर उत्साहित नहीं हैं । सिंधु का मानना है कि ये थकानभरा और चुनौतीपूर्ण साबित होगा । दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु के अनुसार ये नया प्रारुप आक्रामक खिलाड़ियों के लिए ही लाभदायक रहेगा पर इससे खेल में शारीरिक और मानसिक थकान बढ़ जाएगी । गौरतलब है कि बीडब्ल्यूएफ ने हाल ही में 15 अंक वाले तीन गेम की स्कोरिंग प्रणाली को मंजूरी दी है, इसे 4 जनवरी 2027 से लागू किया जाना है । इस घोषणा के बाद से ही खिलाड़ियों के ने इस नए प्रारूप को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं । सिंधु हाल ही में बीडब्ल्यूएफ 'एथलीट्स आयोग' की अध्यक्ष बनी हैं । उन्होंने पहले भी बताया है कि अधिकतर खिलाड़ी अब भी 21-अंक प्रणाली को बैडमिंटन के आकर्षण, लय और रणनीतिक गहराई के लिहाज से कही बेहतर मानते हैं । सिंधु ने ने नए स्कोरिंग प्रणाली पर विस्तार को लेकर कहा, 'हां, मुझे लगता है कि यह आक्रामक खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद है, लेकिन आपको शुरुआत से ही तेज होना होगा । आप शुरुआत में खुद को सेट नहीं कर सकते, तुरंत आक्रामक और तेज रहना होगा ।' उन्होंने कहा, 'यह बहुत थकाऊ होगा और आपको हर समय सतर्क रहना पड़ेगा । यह मानसिक और शारीरिक रूप से बहुत थका देने वाला होगा क्योंकि आपको लगातार हर तरफ सक्रिय रहना होगा ।' उनकी यह टिप्पणी इस बात पर जोर देती है कि खेल की गति और तीव्रता काफी बढ़ जाएगी, जिससे खिलाड़ियों पर लगातार दबाव बना रहेगा। हालांकि, सिंधु का मानना है कि नया प्रारूप अनुभवी खिलाड़ियों के लिए कुछ हद तक लाभदायक हो सकता है क्योंकि मैच छोटे हो जाएंगे।

द्रविड़ और राठौर इतने मददगार थे कि कप्तानी के बाद मैं फिर से अपने क्रिकेट का आनंद ले सका : कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु -भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने स्वीकार किया है कि भारत की कप्तानी छोड़ने के बाद वह मानसिक रूप से कठिन और परेशान करने वाले दौर से गुजर रहे थे, लेकिन उन्होंने पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर का आभार व्यक्त किया, जिनकी मदद से उन्हें फिर से क्रिकेट का आनंद लेने में सहायता मिली।

कोहली ने 2022 में कप्तानी छोड़ी थी और उसी वर्ष टेस्ट क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा था। उन्होंने छह टेस्ट मैच में सिर्फ एक अर्धशतक की मदद से 265 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 26.5 रहा था। द्रविड़ ने नवंबर 2021 में मुख्य कोच और विक्रम राठौर ने बल्लेबाजी कोच के रूप में भारतीय टीम की जिम्मेदारी संभाली थी। उन्होंने कोहली में फिर से जोश जगाया और संघर्ष कर रहे इस बल्लेबाज को खराब दौर से निकलने में मदद की।

उन्होंने कहा, 'कप्तानी छोड़ने के बाद ही मैंने राहुल भाई और विक्रम राठौर जैसे लोगों से खुलकर बातचीत की और बहुत कुछ साझा किया। 2023 में टेस्ट क्रिकेट में मेरा प्रदर्शन शानदार रहा और जब भी मैं उनसे मिलता हूं, मैं दिल से उनका शुक्रिया अदा करता हूं।' उन्होंने RCB इनोवेशन लैब' के 'इंडियन स्पोर्ट्स समिट' के तीसरे सत्र के दौरान कहा, 'उन्होंने (द्रविड़ और राठौर) मेरा इस तरह ख्याल रखा कि मुझे लगा कि मैं उनके लिए खेलना चाहता हूं। मैं प्रदर्शन करना चाहता हूं। मैं मैदान पर उतरकर जी-जान से मेहनत करना चाहता हूं। वे बहुत ही मददगार थे। उन्होंने मुझे एहसास दिलाया कि मैंने अब तक क्या हासिल किया है।'

भारत के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि द्रविड़ और राठौर उनके मन की अंदरूनी परेशानियों को समझते थे और उन्हें उनसे उबरने का रास्ता दिखाया। उन्होंने कहा, 'राहुल भाई ने टेस्ट क्रिकेट में कई लोगों से कहीं बेहतर तरीके से यह काम किया है। विक्रम कई सालों से मेरे साथ हैं, इसलिए वे मेरी भावनाओं को समझते थे और मेरी स्थिति का एहसास था। उन्होंने मानसिक रूप से मेरा बहुत ख्याल रखा।'

उन्होंने कहा, 'इससे मुझे ऐसी स्थिति मिली जहां मैं फिर से क्रिकेट का आनंद ले सका। लेकिन जब मैं पूरी तरह से व्यस्त था, तब मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं चाहता हूं कि कोई मुझसे पूछे। मैं सब कुछ संभालने में काफी सक्षम था।' द्रविड़ की कोचिंग में कोहली ने 2023 में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ टेस्ट मैचों में 671 रन बनाए, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल रहे। उनका औसत 56 रहा, जो उनकी वापसी का स्पष्ट संकेत था। कोहली ने यह भी माना कि कप्तानी के दौरान वे धीरे-धीरे अपने भीतर की ऊर्जा खोते चले गए, जिसका उन्हें तब एहसास

नहीं हुआ। उन्होंने कहा, 'मैं ऐसी स्थिति में पहुंच गया जहां मैं हमारी बल्लेबाजी इकाई और कप्तानी का केंद्र बिंदु बन गया। मुझे इस बात का एहसास नहीं था कि ये दोनों चीजें मेरे दैनिक जीवन में कितना भार डालेंगी, क्योंकि मैं भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर बनाए रखने के लिए इतना दृढ़ संकल्पित और प्रेरित था।' कोहली ने स्वीकार किया, 'जब मैंने कप्तानी छोड़ी, तब तक मैं पूरी तरह थक चुका था। यह जिम्मेदारी मुझे भीतर तक खा गई थी। यह बेहद कठिन और थकाने वाला अनुभव था, और अपेक्षाओं का बोझ संभालना लगातार मुश्किल होता गया।'

एक्सरसाइज से बच्चे बनें इंटैलिजेंट

'**बच्चे** तो सारा दिन वैसे भी काफी उछल-कूद करते रहते हैं, फिर उन्हें एक्सरसाइज करने की क्या जरूरत?' यदि आप भी ऐसा ही सोचते हैं और अपने बच्चों को एक्सरसाइज के लिए प्रेरित नहीं करते, तो आप एक तरह से उनकी डिवेल्पमेंट से समझौता कर रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉइस ने बच्चों में फिजिकल एजुकेशन और एक्सरसाइज पर स्टडी की और इसके ढेर सारे फायदों का पता लगाया।

स्टडी में पाया गया कि फिजिकल एजुकेशन की क्लास, रिसेस टाइम और स्कूल के बाद के एक्सरसाइज प्रोग्राम का सकारात्मक असर बच्चे की पढ़ाई में देखा जा सकता है। कम्यूनिटी हैल्थ के प्रोफैसर चार्ल्स हिलमैन द्वारा की गई यह स्टडी बताती है कि फिजिकल एक्टिविटी स्टूडेंट्स के ध्यान लगाने की उनकी अबिलिटी को बढ़ाती है।

प्रो. हिलमैन ने कहा, 'इस स्टडी का मकसद यह जानना था कि क्या हल्की एक्सरसाइज मसलन, सैर से ही बच्चे की हैल्थ पर अच्छा असर पड सकता है।'

रिसर्च के दौरान तीन आधार पर जांच की गई। इस दौरान शारीरिक क्रियाकलाप, ध्यान और शैक्षिक उपलब्धि के बीच एक पॉजिटिव लिंक देखने को मिला। स्टडी में 9 साल की 8 लड़कियों और 12 लड़कों ने हिस्सा लिया। इनकी कंट्रोल पावर को जानने के लिए कई स्टिमुलस टैस्ट किए गए।

रिसर्च में देखा गया कि रोजाना टहलने वाले बच्चे टैस्ट को बेहतर ढंग से कर पाए। यहां तक कि मुश्किल चैलेंज को पूरा करने में भी इन स्टूडेंट्स ने कम गड़बड़ी की। यह भी देखा गया कि शोरगुल वाले माहौल के बीच भी ये स्टूडेंट्स ध्यान लगाकर काम कर पा रहे थे। इस सब के चलते स्टूडेंट्स की रीडिंग, स्पैलिंग और मैथ में काफी सुधार देखा गया।

हेल्थ प्लस

कार्बोहाइड्रेट

शरीर के लिए ऊर्जा का मुख्य स्त्रोत कार्बोहाइड्रेट है। अधिकतर खाद्य पदार्थों में कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं, जिसे शरीर शुगर में बदल देता है, जो शरीर के लिए ऊर्जा का सबसे बड़ा स्त्रोत है। किसी भी कार्य को करने के लिए हमें ऊर्जा कार्बोहाइड्रेट्स से ही प्राप्त होती है। खाद्य पदार्थों में दो तरह के कार्बोहाइड्रेट्स पाए जाते हैं: सिंपल और कॉम्पलैक्स। सिंपल कार्बोहाइड्रेट सफेद चीनी, फलों और दूध में पाया जाता है। इसलिए फलों और दूध का सेवन करना चाहिए, क्योंकि उनमें विटामिन, फाइबर और कैल्शियम जैसे महत्वपूर्ण न्यूट्रिएंट्स होते हैं, जो साधारण चीनी में नहीं होते। कॉम्पलैक्स कार्बोहाइड्रेट को स्टार्च भी कहते हैं। इसमें मैदा, सफेद ब्रैड, सफेद चावल, पेस्ट्रीज, पास्ता और जंक फूड आदि आते हैं। इनका कम सेवन करें, क्योंकि ये पदार्थ देर से पचते हैं और कब्ज आदि की समस्याएं उत्पन्न करते हैं। इससे मुंहासे आदि की समस्याएं होती हैं। लो कार्ब डाइट की बजाय अच्छे कार्बस, जैसे साबुत अनाज, दालें, फल, सब्जियां और बींस का सेवन करें।

फायदेमंद आंवला

कहते हैं कि आंवले का खाया और बड़ों का कहा बाद में फायदा पहुंचाता है। आंवला बहुत न्यूट्रिशस होता है। यह एक ऐसा फल है, जिसे सुखाने से भी विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में बना रहता है। यह पौष्टिक है और रक्त विकार दूर करता है, नेत्र ज्योति बढ़ाता है। आंवले के रोज़ाना सेवन से बाल काले रहते हैं। आंवले को खांसी, सर्दी और श्वसन प्रणाली के अन्य संक्रमणों के उपचार हेतु प्रयोग किया जाता है। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। आंवले में संतरे के मुकाबले 20 गुणा विटामिन-सी होता है। सेब के मुकाबले आंवले में 3 गुणा अधिक प्रोटीन और 160 गुणा अधिक एस्कॉर्बिक एसिड होता है। आंवले में बहुत से खनिजों और अमीनो एसिड की उच्च मात्रा होती है।

स्वीट किलर

शरीर में इंसुलिन की मौजूदगी ब्लड में शुगर का लैवल नॉर्मल बनाए रखती है। इसकी कमी से ब्लड शुगर का स्तर बढ़ जाता है। यदि ब्लड शुगर लैवल कंट्रोल में न रहे, तो शरीर में कई गंभीर जटिलताएं पैदा हो सकती हैं...

शरीर में पैंक्रियाज इंसुलिन बनाता है। इंसुलिन ग्लूकोज को खून से लिवर, मांसपेशियों और फैट सेल्स में भेजती है। जब शरीर में पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन पैदा नहीं होती या उसका ठीक तरह से इस्तेमाल नहीं होता, उसे डायबिटीज मनाइट्स कहते हैं। यह न केवल उन सेल्स को नुकसान पहुंचाता है, जिन्हें इंधन के लिए ग्लूकोज की जरूरत होती है, बल्कि हाई ब्लड शुगर के कारण हार्ट, किडनी, आंखों और टिशुज को भी नुकसान पहुंचता है।

लक्षण

- यूरिन ज्यादा आना
- भूख और प्यास ज्यादा लगना
- थकावट रहना
- हाथ-पैर सुन्न होना
- आंख का धुंधलापन
- जख्म ठीक न होना
- गुप्तांगों का इंफैक्शन

20-30 फीसदी मामलों में डायबिटीज का कोई भी लक्षण व्यक्ति में दिखाई नहीं देता। केवल खून की जांच कराने पर ही इसके बारे में जानकारी मिलती है।

कारण

- जरूरत से अधिक कैलोरी का प्रयोग
- जंक फूड खाने को प्राथमिकता
- फल और सब्जियों का कम प्रयोग
- कम एक्सरसाइज
- आरामपरस्त लाइफ स्टाइल
- बच्चों की आउटडोर गेम्स में घटती रुचि

इलाज

डाइट: यह धारणा गलत है कि डायबिटीज के रोगी को बहुत सारी चीजे खाने की मनाही होती है। परंतु ऐसा नहीं है, वह भी सामान्य भोजन ले सकता है। उसकी डाइट में कार्बोहाइड्रेट 60-70 फीसदी, प्रोटीन 152-0 फीसदी, फैट 15-20 फीसदी और काफी मात्रा में फाइबर होना चाहिए।

एक्सरसाइज: रोजाना 30-40 मिनट सैर करें। योगा के कुछ आसन शरीर को फिट रखने और डायबिटीज को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। परंतु ध्यान रखें कि ये दवाई का सब्स्टीच्यूट नहीं हैं।

मैडिसिन: नियमित रूप से डॉक्टर की निगरानी में मैडिसिन लेनी चाहिए। अपनी मर्जी से डोज कम या ज्यादा न करें और न ही किसी दूसरे मरीज की मैडिसिन डॉक्टर की राय के बगैर खुद लें। इंसुलिन भी अलग-अलग तरह की होती है। इसकी टाइप तथा डोज हरेक मरीज के लिए अलग होती है।

जब लेनी हो मैडिसिन

जब भी कोई व्यक्ति बीमार होता है, तो उसे यह तो पता होता है कि उसे कौन-सी मैडिसिन लेनी है और कितनी लेनी है, पर उसके लिए यह जानना भी बहुत जरूरी है कि किस समय मैडिसिन लेना हितकर होता है।

- अगर रोग शरीर के नीचे वाले भाग में हो, तो मैडिसिन का भोजन से पहले सेवन हितकर होता है।
- शरीर को पतला करना हो, तो मैडिसिन भोजन से पहले लेनी चाहिए।
- पेट के रोगों में, पैं िक विकारों में भोजन के मध्य मैडिसिन का प्रयोग करना चाहिए।
- बलवान व्यक्ति को प्रात: खाली पेट मैडिसिन लेनी चाहिए।
- शरीर के ऊपरी भाग के रोगों के लिए भोजन के बाद मैडिसिन लेनी चाहिए।
- कफजनित विकारों में व शरीर को मोटा करने वाली मैडिसिन भोजन के उपरांत लेनी चाहिए।
- बालक, बालिकाओं, सुकुमारो तथा मैडिसिन से द्वेष करने वालों को भोजन के साथ मैडिसिन लेनी चाहिए।
- श्वास रोग, खांसी, प्यास अधिक लगने, उल्टी आने और विष जन्य रोगों में मैडिसिन भोजन के थोड़ी देर बाद लेने का निर्देश है।
- कान, नाक, गले व आंखों के रोगों में रात को सोने से पहले मैडिसिन लेना हितकारी है।
- कमजोर और उपवास रखे व्यक्तियों को मैडिसिन से परहेज करना चाहिए।
- अप्रिय व बहुत तेज गंध वाली मैडिसिन का प्रयोग भोजन से पहले भी कर सकते हैं।

'अच्छी नींद लेने के लिए सोते समय किसी भी बात की चिंता मन में न रखें। शाम का भोजन जल्दी कर लें। इसके बाद चाय और काफी का सेवन न करें।'

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतोष से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्वास्थ्य में ताजगी बनने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-1-2-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रुकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। वैचारिक उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। शुभांक-5-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान

सह संपादक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3894

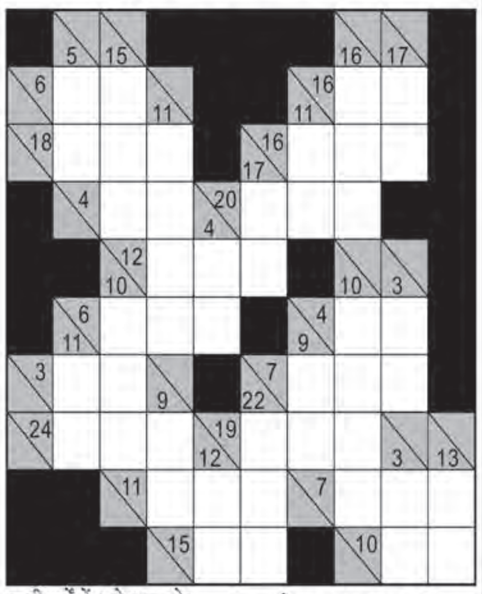

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

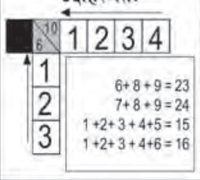

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3893 का हल

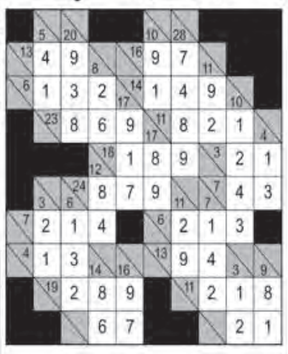

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।

लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

□ □ □

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।

पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

□ □ □

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?

डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3894

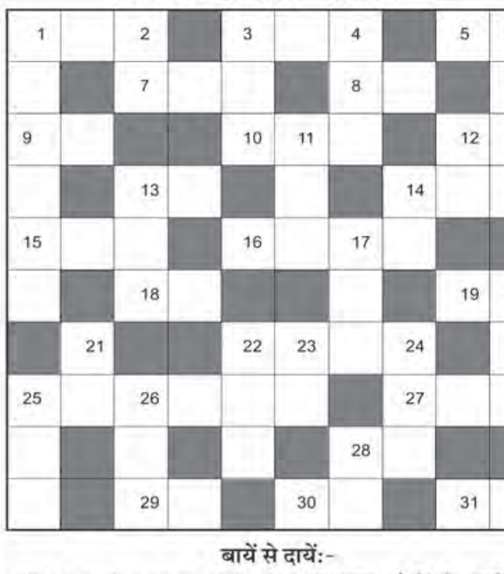

बायें से दायें:-

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरूद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३.'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०.फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८.'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3893

सूडोकु -3894

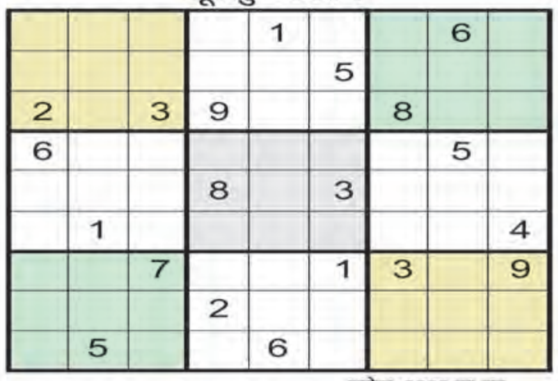

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3893 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली - 3894

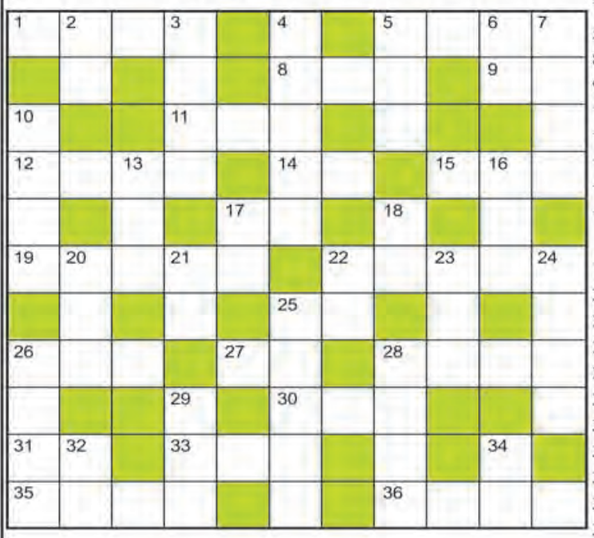

बाएँ से दाएँ

1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना, धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे

2.उद्देश्य, गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र,बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान,जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह,जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली -3893 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी